घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 160- रविवार 12- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

बंगाल की जनता टीएमसी का अहंकार चकनाचूर करेगी : प्रधानमंत्री मोदी

कोलकाता,11 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के कटवा और मुर्शिदाबाद के जंगीपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पीएम ने पूर्व वर्धमान में कहा...बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। मोदी की गांरटी टीएमसी की निर्मम सरकार के भय राज को हटाके भरोसे में बदलने की है। मुर्शिदाबाद में मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का,और अंत में वामपंथियों का अहंकार भी चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। मोदी ने कहा...बंगाल की जनता ने मां,माटि और मानुश के नारे से प्रेरित होकर,बहुत आशा और उमंग के साथ टीएमसी को एक मौका दिया लेकिन सत्ता में आते ही टीएमसी वामपंथियों की कॉर्बन कॉपी बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा... वामपंथियों से जुड़े सभी गुंडे और गिरोह तृणमूल में शामिल हो गए हैं। टीएमसी ने अब हर चीज का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है.. हथियारों,नशीले पदार्थों और मवेशियों की तस्करी से लेकर उन कटौतियों और कमीशनों तक, जो कभी वामपंथियों की पहचान हुआ करती थीं।

पीएम बोले..बंगाल में कमीशन-भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में 'कट मनी',कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा।

पीएम बोले- यह चुनाव बंगाल की पहचान बचाने का चुनाव है

प्रधानमंत्री मोदी बंगाल के जंगीपुर में आज की दूसरी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा...बंगाल में टीएमसी मां, माटी और मानुश का नारा लगाकर सरकार में आई लेकिन अब राज्य में घुसपैठिओं की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल के लोगों ने टीएमसी को घुसपैठियों की सरकार बनने नहीं देना है। ये चुनाव सिर्फ सता परिवर्तन का चुनाव नहीं है।

बंगाल के लाखों परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा

पीएम मोदी ने कहा कि वर्धमान सहित पूरे बंगाल के लाखों परिवारों को मुफ्त इलाज मिलेगा। बंगाल की धरती से शरणार्थी परिवारें को भी गारंटी देने आया हूं। हमारे मतुआ और नामशूद्र सभी परिवार यहां किसी टीएमसी की नेता की कृपा से नहीं हैं। आप यहां संविधान के संरक्षण में हैं। ताकि सभी शरणार्थियों को संविधान की गारंटी मिले। सरकार बनते ही इन सभी को सीएए को नागरिकता देने का काम और तेज किया जाएगा। हर घुसपैठिए से कहूंगा कि वो अपना बोरिया बिस्तर बांध लें,जो यहां आए,नकली कागज बनाए,सरकारी योजनओं का फायदा लिया। उन सभी का हिसाब होगा। दुनिया के विकसित देश भी घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाल रहे हैं। भारत तो विकसित होने के रास्ते में हैं। अगर किसी घुसपैठिए को फर्जी राशन कार्ड दिया जाए तो वह आपके हक का चावल लूटेगा। अगर कोई घुसपैठिया फर्जी अधारकार्ड बनाता है तो वह किसान के हक का पैसा भी लूट लेगा। इसलिए आपको सतर्क रहना है टीएमसी को मौका नहीं देना है।

टीएमसी सरकार ने जनता का बहुत नुकसान किया : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आपके पड़ोस में असम है, वहां पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 1 लाख को ट्रेनिंग मिली है। बिहार में भी एक लाख दस हजार से ज्यादा को ट्रेनिंग दी गई है। हर एक को 15 हजार के आधुनिक औजार दिए गए हैं,लेकिन टीएमसी की निर्माम सरकार ने यहां लागू नहीं होने दिया। आपका बहुत बड़ा नुकसान किया है। यहां आयुष्मान योजना भी लागू नहीं होने दिया। इसलिए मैं गारंटी देता हूं कि 4 मई के बाद जब यहां बीजेपी का सीएम शपथ लेगा,तब पहली कैबिनेट बैठक में ही यहां आयुष्मान योजना लागू की जाएगी। यह मोदी की गारंटी है।

महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती...

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति,प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष ने प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2026। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष ने महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती पर प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल,सांसदगण, पूर्व सांसदगण,लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर महात्मा ज्योतिराव फुले की 200वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा ज्योतिराव फुले, जिन्हें लोकप्रिय रूप से महात्मा फुले के नाम से जाना जाता है, 19 वीं सदी के भारत के प्रमुख सामाजिक सुधारकों में से एक थे। उन्होंने अपना जीवन सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को समाप्त करने के लिए समर्पित किया और गरीबों, किसानों तथा समाज के अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शोषण को रोकना और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से पीड़ितों को मुक्ति दिलाना था। वे उन शुरुआती विचारकों में भी थे जिन्होंने कृषि के महत्व, किसानों के कल्याण और कृषकों के लिए वैज्ञानिक शिक्षा पर जोर दिया।

मप्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बढ़ा चीतों का कुनबा,'गामिनी' ने दिया 4 शावकों को जन्म

नई दिल्ली/श्योपुर, 11 अप्रैल 2026। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ गया है। यहां भारतीय मूल की मादा चीता 'गामिनी' ने चार शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस घटना को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह भारत के वन्यजीव संरक्षण अभियान के लिए बड़ी सफलता है। यादव ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि 2022 में चीतों के पुनर्वास की शुरुआत के बाद से यह वन्य जीवन में दर्ज किया गया पहला जन्म है और महत्वपूर्ण रूप से यह भारतीय मूल की मादा चीते का पहला ऐसा मामला है। उन्होंने कहा कि यह घटना परियोजना के मूल उद्देश्यों को प्राप्त करने में एक बड़ी उपलब्धि है-भारत में प्राकृतिक परिस्थितियों में चीतों के अस्तित्व और प्रजनन को सुनिश्चित करना। यादव ने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय पारिस्थितिक परिस्थितियों के प्रति चीतों के बढ़ते अनुकूलन को दर्शाती है और कुनो राष्ट्रीय उद्यान में निरंतर संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री ने चीता संरक्षण कार्यक्रम में शामिल वन्यजीव प्रबंधकों,पशु चिकित्सकों और क्षेत्र

कर्मचारियों के समर्पण और अथक प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने इस घटना को राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण बताया और परियोजना से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई दी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मादा चीता गामिनी का शावकों के साथ फोटो भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि मध्य प्रदेश अब चीतों के 'पुनरुद्धार' के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। कूनो के खुले जंगलों में 'गामिनी' चीते से जन्मी 25 महीने की भारतीय मूल की मादा चीते द्वारा चार शावकों का जन्म इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश की भूमि चीतों के वंश विस्तार के लिए पूरी तरह से अनुकूल है।

महिला आरक्षण कानून को राजनीतिक हथियार न बनाएं : शशि थरूर

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि महिला आरक्षण कानून में होने वाले संशोधन को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। ताकि संघवाद कमजोर न हो और संसद की गरिमा को ठेस न पहुंचे। थरूर ने संसद में जीवंत और सार्थक बहस न होने के प्रति आगाह भी किया। उन्होंने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए विशेष सत्र बुला रही है। इसका उद्देश्य 2029 के आम चुनावों से पहले परिसीमन पर नजर रखना है। कांग्रेस एक तिहाई महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

बंगाल चुनाव-2026...भाजपा की सरकार बनी,तो 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे,घुसपैठियों को खदेड़ेंगे : अमित शाह

कोलकाता,11 अप्रैल 2026। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने 'सिंडिकेट राज', भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर

वोट देने की अपील करते हुए कहा 'प्रचंड बहुमत से भाजपा को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे। ' अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर विष्णुपुर में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा और क्षेत्रीय विकास को गति दी जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भी अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है और स्थिति चिंताजनक है। भाजपा सरकार बनने पर 24 घंटे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा 'घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा और मतदाता सूची से भी अवैध नाम हटाए जाएंगे। अपने संबोधन में शाह ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा भी दोहराया। उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी नागरिकों के लिए समान कानून सुनिश्चित होगा। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की।

आर्टेमिस-2 मिशनः 50 साल बाद चंद्रमा की सफल यात्रा कर लौटे अंतरिक्ष यात्री

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2026। नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस 2 मिशन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। 10 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा के बाद ओरियन कैप्सूल प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरा। इस मिशन के जरिए 50 वर्षों में पहली बार चार अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसन

चंद्रमा के करीब पहुंचे। उन्होंने कुल 11.16 लाख किलोमीटर की दूरी तय की और चंद्रमा के फार साइड से गुजरते हुए पृथ्वी से 4,06,771 किलोमीटर की अधिकतम दूरी का नया रिकॉर्ड बनाया। पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान कैप्सूल की गति 39,000 किलोमीटर प्रति घंटा थी और घर्षण के कारण बाहरी तापमान 2760 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। सफल स्प्लैशडाउन के बाद अमेरिकी नौसेना ने अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह मिशन इसलिए खास है क्योंकि इसमें पहली बार एक महिला, एक अश्वेत व्यक्ति और एक गैर-अमेरिकी नागरिक ने चंद्रमा की कक्षा तक का सफर तय किया। यह सफलता नासा के आगामी आर्टेमिस 3 मिशन का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिसका लक्ष्य 2028 तक चंद्रमा पर मानव लैंडिंग और भविष्य में मंगल ग्रह तक पहुंचना है।

मप्र के शिवपुरी में ऑटो पर ट्रक पलटा दूल्हा-दुल्हन समेत चार की मौत...

शिवपुरी,11 अप्रैल 2026। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर में मुर्गी दाना से भरा ट्रक टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। इस हादसे में

दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई। तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव निवासी वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था। शादी के बाद दूसरे दिन शनिवार को दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो शाक्य (22) बहन भूरिया शाक्य (19) ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12 बजे टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास ऑटो चालक ने ऑटो रिक्शा खड़ा किया था। इस दौरान ऑटो चालक और दूल्हे की बहन पास की दुकान पर चले गए थे। तभी मुर्गी दाना से भरा तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया, जिससे ऑटो में बैठे दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां और भाभी ट्रक के नीचे दब गए।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़,इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है : राजनाथ सिंह

भोपाल,11 अप्रैल 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा...कि गांव,गरीब,नारी,युवा और खेती-किसानी की लगातार बेहतरी के

लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है।

खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं। किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपये सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे वे खाद,बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें। यह किसानों की मेहनत का सम्मान है। अब तक हमारी सरकार हजारों करोड़ रुपए की सहायता किसान भाइयों को दे चुकी है।

एनएच-927 से भारत-नेपाल व्यापार को मिलेगी रफ्तार, असर का विस्तृत आकलन जारी

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2026। केंद्र सरकार ने बाराबंकी-बहराइच हाई-वे परियोजना को लेकर भारत-नेपाल व्यापार पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत आकलन जारी किया है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग-927 का यह खंड सीमा पार व्यापार के लिए प्रमुख लाइफलाइन के रूप में उभरने का अनुमान लगाया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार इस राजमार्ग के जरिए रूपईडीहा लैंड पोर्ट तक कनेक्टिविटी तेज और अधिक विश्वसनीय होगी। इससे नेपाल के नेपालगंज मार्ग पर माल ढुलाई में वृद्धि की संभावना जताई गई है।

तमिलनाडु का सियासी रण...विजय ने फूंका चुनावी बिगुल,'सीटी' चुनाव चिह्न के साथ घर-घर जाएंगे टीवी के कार्यकर्ता

नई दिल्ली,11 अप्रैल 2026। तमिलनाडु में सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। अभिनेता से राजनेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय ने चुनावी समर की अंतिम दौड़ का बिगुल फूंक दिया। उन्होंने अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं से भावुक अपील करते हुए कहा कि इस चुनावी अभियान को महज एक प्रचार न समझें, बल्कि इसे एक विजयी जुलूस में तब्दील कर

दें। विजय ने चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए साफ किया कि अगले दस दिन पार्टी के भविष्य और तमिलनाडु की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे अब ड्राइंग रूम की चर्चाओं से बाहर निकलकर सीधे जनता के बीच जाएं। टीवीके प्रमुख ने कहा कि हर घर की दहलीज पर जाकर लोगों को पार्टी की विचारधारा और चुनाव चिह्न 'सीटी' के बारे में जानकारी दी जाए। मंच से अपने चिर-परिचित अंदाज में विजय ने इस चुनाव को सिर्फ सत्ता हासिल करने का जरिया नहीं।

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

पटना,11 अप्रैल 2026। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शनिवार को आधिकारिक पत्र जारी कर दिया। अब राज्य के सरकारी डॉक्टर निजी क्लीनिक या अन्य स्थानों पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय 'सात निश्चय-3'योजना के तहत लिया गया है, जिसके अंतर्गत एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्यरत बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग,बिहार चिकित्सा सेवा संवर्ग तथा इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के चिकित्सा सेवा संवर्ग के डॉक्टरों और मेडिकल शिक्षकों पर यह प्रतिबंध लागू होगा।

ममता बनर्जी के आरोपों का संघ ने किया खंडन

पश्चिम मेदिनीपुर,11 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केशियाड़ी में आयोजित चुनावी जनसभा के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानीय प्रशिक्षण केंद्र को लेकर विशेष प्रशिक्षण देने का आरोप लगाया, जिसे संघ ने सिरे से खारिज किया है। ममता बनर्जी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केशियाड़ी क्षेत्र में संघ का एक मजबूत ठिकाना मौजूद है, जहां विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कहा..'मैं सारी जानकारी रखती हूं। जो अच्छे कार्य करेंगे उन्हें सम्मान मिलेगा और जो वोट काटने की कोशिश करेंगे,उनका विसर्जन कर दीजिए।'मुख्यमंत्री के इस बयान पर संघ की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है।

दक्षिण बंगाल के प्रचार प्रमुख बिप्लव राय ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद ममता बंगाल को ठीक से समझ नहीं पाई हैं। केशियाड़ी में संघ का कोई प्रशिक्षण केंद्र नहीं है और मुख्यमंत्री का आरोप पूरी तरह निराधार है। राय ने बताया कि आमतौर पर संघ की शाखाओं में स्वयं सेवकों को शारीरिक, बौद्धिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें व्यायाम, दंड अभ्यास, खेल, योग और परेड जैसे शारीरिक अभ्यास शामिल होते हैं।

इसके साथ ही भारत के इतिहास, संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी बौद्धिक सत्र आयोजित किए जाते हैं। इनके माध्यम से स्वयंसेवकों में अनुशासन,नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाता है।

संपादकीय

जासूसी का जाल

साजिश रचने में लगा आईएसआई

दिल्ली पुलिस द्वारा आईएसआई से जुड़े एक और आतंकी गुट का भंडाफोड़ पाकिस्तान की भारत विरोधी साजिशों को उजागर करता है...पाकिस्तान संवेदनशील ठिकानों की जासूसी और आतंकी हमलों की योजना बना रहा है...

दिल्ली पुलिस की ओर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संदिग्ध आतंकियों के एक और गुट का भंडाफोड़ यही बताता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ बड़े पैमाने पर साजिश रचने में लगा हुआ है और उसने भारत के संवेदनशील ठिकानों की जासूसी के लिए एक बड़ा नेटवर्क खड़ा कर लिया है।

चिंता की बात केवल यह नहीं कि पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले संदिग्ध आतंकी उसे महत्वपूर्ण स्थलों के लाइव फुटेज भेज रहे, बल्कि यह भी है कि वे ऐसे ठिकानों की भी जानकारी प्रेषित कर रहे, जहां आतंकी हमले किए जा सकें। इसका मतलब है कि आपरेशन सिंदूर में पस्त होने से बौखलाया पाकिस्तान भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हर संभव तरीके से हाथ-पांव मार रहा है।

एक ओर वह अमेरिका की चापलूसी करके अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की चेष्टा के साथ खुद को शांति दूत के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी ओर आतंक को पालने-पोसने से बाज नहीं आ रहा है। वह जैसी खतरनाक भारत विरोधी हरकतों में लिप्त है,उनसे यही पता चलता है कि वह पहले की ही तरह जिहादियों को तैयार करने में लगा हुआ है।

भारत को पाकिस्तान को चेताने के साथ ही उसके शैतानी चेहरे को बेनकाब करने के लिए नए सिरे से सक्रियता दिखानी होगी,क्योंकि उसके यहां का आतंकी ढांचा जस का तस है। वहां किस प्रकार पहले की ही तरह जिहादी तैयार हो रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण हाल में कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकी की गिरफ्तारी है। इसके अलावा गत दिनों एक पाकिस्तानी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित होकर न्यूयार्क के एक यहूदी केंद्र पर आतंकी हमले की साजिश में पकड़ा गया।

इस पर अमेरिका के साथ पश्चिम के अन्य देशों को भी गौर करना होगा, क्योंकि यह पहला ऐसा मामला नहीं,जब कोई पाकिस्तानी आतंकी विदेश में किसी आतंकी हमले की साजिश में लिप्त पाया गया हो। दुनिया को समझना होगा कि पाकिस्तान अब भी आतंक का निर्यात करने में लगा हुआ है। वह भारत के साथ अफगानिस्तान को भी अस्थिर करने की ताक में है। हमारे नीति-नियंताओं को इससे चिंतित होना चाहिए कि पाकिस्तान को अपने लिए जासूसी करने यानी भारत से गद्दारी करने वाले तत्व इतनी आसानी से कैसे मिल जा रहे हैं।

इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि वे या तो जिहादी बनने के उन्माद से ग्रस्त होकर पाकिस्तान के हाथों में खेल रहे हैं या फिर पैसों के लालच में देश के दुश्मन बन जा रहे हैं। यह गंभीर बात है कि पिछले एक अर्से से ऐसे तत्व बड़ी संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से पकड़े गए हैं,जो पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके लिए भारत में आतंक फैलाने के लिए काम कर रहे थे। साफ है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों को और अधिक चौकसी बरतनी होगी।

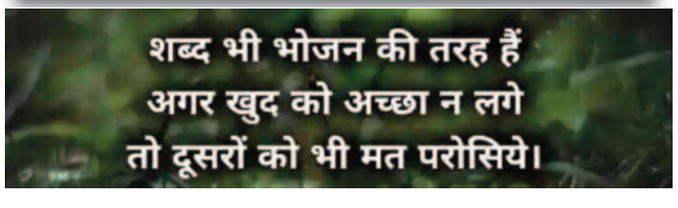

खालसा पंथ की स्थापना और फसलों की कटाई की खुशी का पर्व है बैसाखी

धर्म,साहस और आपे गुरु चेला की महान परंपरा

सुखवीर सिंह सिंघोत्रा
रायपुर,छत्तीसगढ़

बैसाखी का पावन पर्व सिख इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जब गुरु गोबिंद सिंह जी ने सन 1699 में आनंदपुर साहिब की पावन धरती पर खालसा पंथ की स्थापना की थी,उस समय उनका नाम गोबिंद राय था। यह स्थापना किसी साधारण धार्मिक आयोजन का परिणाम नहीं थी बल्कि उस समय के सामाजिक अन्याय,धार्मिक अत्याचार और मानवा धिकारों के हनन के विरुद्ध एक क्रांतिकारी कदम था । उस समय समाज में भय,भेदभाव और जबरन धर्म परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ रही थीं,आम जनमानस में साहस और आत्म सम्मान की कमी हो रही थी । ऐसे समय में गुरु गोबिंद सिंह जी ने एक ऐसे पंथ की स्थापना की जो न केवल आध्या त्मिक रूप से जागरूक हो बल्कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस भी रखे ।

खालसा पंथ का मूल उद्देश्य था संत सिपाही तैयार करना जो भक्ति और शक्ति दोनों का संतुलन बनाए रखे।

बैसाखी के ऐतिहासिक दिवस पर गुरु गोबिंद राय जी ने विशाल सभा में आव्हान किया कि जो देश धर्म के लिए अपने प्राणों का त्याग कर सकता है वो सामने आए । सभा में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया फिर पीछे से एक व्यक्ति उठा और सहजता से चलते हुए गुरु गोबिंद सिंह जी के पास आया और बोला कि मैं अपने प्राणों का बलिदान देने को तैयार हूं गुरु गोविंद सिंह जो उस समय गोविंद राय कहलाते थे उन्हें अंदर ले गए और पंडाल के पीछे से तलवार चलने की जोरदार आवाज आई और खून की धार सभा की तरफ बहने लगी, गुरुजी बाहर आए उनके हाथों में रक्त रंजित तलवार थी उन्होंने दोबारा आवाज लगाकर पूछा कि और कौन गुरु का प्यारा देश और धर्म के लिए जान दे सकता है फिर एक व्यक्ति उठा और उसने भी देश धर्म के लिए अपने प्राण कुर्बान करने की बात कही गुरुजी उससे भी अंदर ले गए फिर जोरदार आवाज और खून की धार,इस तरह एक.एक कर पांच लोगों को गुरु जी पंडाल के पीछे ले गए और खून की धार बाहर बहती रही पूरी सभा में सन्नाटा था लोग आश्चर्य में थे कि गुरु जी ने यह क्या किया ? क्यों किया ? यह परीक्षा केवल आस्था की नहीं बल्कि समर्पण,साहस और विश्वास की थी । जब पाँच सिख इस परीक्षा में खरे उतरे तब गुरु जी ने उन्हें अमृत पान करवाकर खालसा बनाया ।

गुरु जी ने जिन्हें अमृत पान करवाकर पंज प्यारे सजाया उनमें भाई दया सिंह जी (लाहौर के निवासी)-भाई धरम सिंह जी (हस्तिनापुर/मेरठ के निवासी) - भाई हिम्मत सिंह जी (जगन्नाथ पुरी के निवासी)-भाई मोहकम सिंह जी (द्वारका के निवासी)-भाई साहिब सिंह जी (बीदर के निवासी) थे ।

इसके पश्चात जो घटना घटी वही सिक्ख परंपरा की सबसे अद्वितीय और प्रेरणादायक मिसाल बनी।

गुरु गोविंद सिंह जी ने स्वयं उन्हीं पाँच प्यारों से अमृत ग्रहण किया और स्वयं को भी खालसा में शामिल किया। उसके बाद से गुरु गोविंद राय का नाम गुरु गोबिंद सिंह पड़ा ।

यही वह ऐतिहासिक क्षण है,जिसके कारण सिख परंपरा में कहा जाता है,

वाह वाह गोबिंद सिंह आपे गुरु चेला

इस पंक्ति का गहरा अर्थ है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने गुरु और शिष्य के बीच की दूरी को समाप्त कर दिया। उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्चा गुरु वही है जो स्वयं भी उसी अनुशासन मर्यादा और नियमों का पालन करे, जो वह अपने अनुयायियों को सिखाता है। उन्होंने स्वयं को ऊँचा नहीं रखा बल्कि अपने अनुयायियों के साथ समान स्तर पर खड़ा किया।

यह समानताए विनम्रता और नेतृत्व का सर्वोच्च उदाहरण है।

इससे यह सिद्ध होता है कि सिक्ख पंथ में किसी भी प्रकार का ऊँच.नीच या भेदभाव स्वीकार्य नहीं है। आज भी गुरुद्वारों में गरीब .अमीर सब एक साथ एक लाइन में बैठकर लंगर ग्रहण करते हैं।

आज के समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा हैकृनैतिक मूल्यों में गिरावट,आपसी विभाजन और युवाओं का भटकाव कृतब गुरु गोबिंद सिंह जी का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमें यह सीख मिलती है कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नहीं बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। छत्तीसगे की पावन धरती पर सिक्ख समाज सदैव सरबत दा भला की भावना के साथ सेवा, सद्भाव और भाईचारे का संदेश देता आया है।

आज बैसाखी के इस पावन अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम गुरु साहिब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज में न्याय, समानता और सेवा की भावना को और सुदृढ़ करें।

खालसा मेरो रूप है खास,खालसे में हउ करौं निवासश्

यह वचन हमें याद दिलाता है कि खालसा केवल एक पहचान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। आस्था, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

बैसाखी का पावन पर्व सिक्ख समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक अवसर है। यह केवल फसल कटाई का उत्सव नहीं बल्कि धर्म,साहस,समानता और सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने का दिन भी है । आज के बदलते सामाजिक और वैश्विक परिदृश्य में बैसाखी हमें अपने मूल सिद्धांतों की ओर लौटने और उन्हें व्यवहार में उतारने का संदेश देती है । बैसाखी का दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब गुरु साहिब ने समाज में व्याप्त अन्याय, भेदभाव और भय को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

हम बैसाखी के संदेश को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

धर्म का पालन केवल पूजा.पाठ तक सीमित न रहकर सत्य, ईमानदारी और न्याय के मार्ग पर चलना है।

सेवा;सेवा भावद्ध के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करना ही सच्ची श्रद्धा है ।

समानता और भाईचारा आज के समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग के भेद को समाप्त करना हमारा कर्तव्य है।

छत्तीसगढ़ की धरती पर सिक्ख समाज हमेशा से सेवा,सद्भाव और भाई चारे का प्रतीक रहा है। चाहे प्राकृतिक आपदाएं हों या सामाजिक संकट, सिक्ख समाज ने सरबत दा भला के सिद्धांत पर चलते हुए हर जरूरतमंद की सहायता की है।

आज भी हमें यही संकल्प लेना होगा कि हम अपने आसपास के समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे।

आज की परिस्थितियों में जब युवाओं के सामने अनेक भटकाव और चुनौतियाँ हैं बैसाखी उन्हें सही दिशा देने का अवसर है। उन्हें अपने इतिहास संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना, उन्हें नशे और गलत रास्तों से दूर रखना और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

बैसाखी हमें यह सिखाती है कि सच्चा उत्सव वही है जिसमें समाज का हर वर्ग खुशहाल और सुरक्षित हो।

इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम धर्म, सेवाए और मानवता के मार्ग पर चलकर एक बेहतर समाज का निर्माण करेंगे।

नानक नाम चढ़दी कला,
तेरे भाणे सर्वत दा भला

बैसाखी की सभी को हार्दिक बधाई शुभकामनाएं

नया भारत,नई संसद,जहां निर्णयों में नारी दृष्टि होगी केंद्र में

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

2029 की लोकसभा–जब आधी आबादी बनेगी असली शक्ति संसदीय सिस्टम रीसेट : प्रतिनिधित्व नहीं, अब वास्तविक शक्ति का इंस्टॉलेशन

इतिहास के पन्नों पर दर्ज होने को तैयार एक नया अध्याय अब आकार ले रहा है,जहां भारतीय लोकतंत्र अपनी सबसे बड़ी कमी को सुधारने की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा रहा है। 8 अप्रैल 2026 को नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट द्वारा महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में संशोधन को हरी झंडी मिलना महज एक प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के पुनर्जागरण का संकेत है। 2029 के आम चुनाव के साथ ही जब यह व्यवस्था लागू होगी, तो लोकसभा का चेहरा पूरी तरह रूपांतरित नजर आएगा। यह बदलाव केवल सीटों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस असंतुलन को खत्म करने का सशक्त प्रयास है, जिसने लंबे समय तक देश की आधी आबादी को सत्ता और निर्णय की मुख्य धारा से अलग-थलग रखा।

नवाचार और संतुलन के मेल से तैयार यह खाका बदलाव की सशक्त तस्वीर पेश करता है, जिसमें साहस के साथ संवेदन शीलता भी झलकती है। सबसे अहम बात यह है कि किसी मौजूदा सांसद की सीट छीने बिना महिलाओं के लिए व्यापक स्थान सुनिश्चित किया गया है। 543 से बढ़कर 816 सीटों तक का विस्तार केवल संख्या वृद्धि नहीं, बल्कि लोकतंत्र के दायरे को व्यापक बनाने की पहल है, जहां '50+33' का फार्मूला दूरदर्शी समाधान बनकर उभरता है। एक-तिहाई यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, और यह प्रक्रिया 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन से लागू होगी। अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं को भी उनके हिस्से में भागीदारी देकर इस बदलाव को सामाजिक न्याय से जोड़ा गया है,जिससे यह पहल राजनीतिक बदलाव के साथ व्यापक सामाजिक परिवर्तन का आधार बनती है।

जब आंकड़े ही बदलाव की आवाज बन जाएं, तो सियासत की दिशा बदलना तय हो जाता

है–और यही तस्वीर 2029 में उभरने वाली है, जब संसद में हर तीसरी आवाज महिला की होगी। आज जहां महिलाओं की मौजूदगी सीमित है,वहीं यह उछाल केवल संख्या का विस्तार नहीं, बल्कि सोच, सरोकार और फैसलों के तरीके में गहरा बदलाव लाएगा। बहसों की दिशा बदलेगी, प्राथमिकताएं नए सिरे से तय होंगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी बनेगी। अब तक किनारे पर पड़े मुद्दे–जैसे महिला सुरक्षा, पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य–नीति के केंद्र में आ जाएंगे। संसद का स्वर अधिक संतुलित,संवेदनशील और विविधतापूर्ण होगा,जहां नीतियां आंकड़ों से आगे बढ़कर जीवन के वास्तविक अनुभवों की जमीन पर आकार लेंगी।

नीति निर्माण की धुरी अब केवल कागजी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि समाज की वास्तविक पीड़ा और जरूरतों को केंद्र में रखकर घूमेगी। यह परिवर्तन एक ऐसी संवेदनशीलता को जन्म देगा, जहां कानून सीधे लोगों के जीवन से संवाद करते नजर आएंगे। मातृ स्वास्थ्य से लेकर बालिका शिक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा तक, हर क्षेत्र में ठोस और प्रभावी पहल का विस्तार होगा। जो समस्याएं अब तक ग्रामीण महिलाओं के हिस्से में चुपचाप सिमटी रहती थीं, वे अब नीतियों की आधारशिला बनेंगी। इसके परिणामस्वरूप योजनाओं का स्वरूप ही नहीं बदलेगा, बल्कि उनके क्रिया न्वयन में भी गति,जवाबदेही और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देगी।

सियासी गलियारों में अब जीत की गणित से आगे बढ़कर नेतृत्व की गुणवत्ता की कसौटी तय होने वाली है,क्योंकि राजनीतिक दलों के सामने केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि सक्षम महिला नेतृत्व गढ़ना भी अनिवार्य बन जाएगा। उम्मीदवारों के चयन से लेकर उनके प्रशिक्षण और संसदीय कौशल को निखारने तक,हर स्तर पर गंभीरता बढ़ेगी। बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच महिला उम्मीदवारों को लेकर प्रतिस्पर्धा तेज होगी,जिससे राज नीति में गुणवत्ता और जवाबदेही का स्तर स्वाभाविक रूप से ऊंचा उठेगा। यह परिवर्तन नई पीढ़ी की महिलाओं के लिए राजनीति के द्वार खोलेगा, जो अपने साथ नई दृष्टि, आत्मविश्वास और ऊर्जा लेकर सार्वजनिक जीवन में कदम रखेंगी।

जब निर्णय की मेज पर तस्वीर बदलती है, तो समाज का चेहरा भी बदलना तय हो जाता है–और यही असर इस परिवर्तन का होगा। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि परिवार, शिक्षा और रोजगार जैसे हर क्षेत्र में नई दिशा तय करेगी। गांवों और शहरों में बेटियों के सपनों को नई ऊंचाई मिलेगी और उनके भीतर यह विश्वास मजबूत होगा कि वे भी देश के सर्वोच्च मंच तक अपनी पहचान बना सकती हैं। लंबे समय से जकड़ी पितृसत्तात्मक सोच धीरे-धीरे कमजोर पड़ेगी और उसकी जगह समानता, सम्मान और संतुलन पर आधारित नया सामाजिक ढांचा मजबूती से उभरकर सामने आएगा।

परिवर्तन जितना विराट होता है, उसकी परीक्षा भी उतनी ही कठोर होती है–और यही चुनौती इस ऐतिहासिक कदम के साथ सामने आएगी। इतनी बड़ी संख्या में नई महिला सांसदों को प्रभावशाली और सक्षम नेतृत्व में ढालना आसान नहीं होगा। इसके लिए संसदीय प्रक्रियाओं की गहरी समझ,सटीक संवाद कौशल और मजबूत राजनीतिक रणनीति का विकास अनिवार्य होगा। साथ ही सुरक्षा, पर्याप्त संसाधन और सशक्त सहयोगी तंत्र सुनिश्चित करना भी जरूरी है,ताकि ये प्रतिनिधि पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभा सकें। यदि इन पहलुओं पर गंभीरता और दूरदर्शिता के साथ काम किया गया,तो यह बदलाव केवल प्रतीक बनकर नहीं रहेगा,बल्कि भारतीय लोकतंत्र में स्थायी और प्रभावशाली परिवर्तन की नींव रखेगा।

लोकतांत्रिक परिवर्तन की यह यात्रा अब अपने सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच चुकी है, जहां 2029 की लोकसभा भारत के इतिहास में एक स्वर्णिम और निर्णायक अध्याय के रूप में दर्ज होने जा रही है। यहां प्रतिनिधित्व केवल आंकड़ों का संतुलन नहीं रहेगा, बल्कि न्याय, समानता और वास्तविक भागीदारी की सशक्त चेतना बनकर उभरेगा। यह वह ऐतिहासिक क्षण होगा जब देश अपनी आधी आबादी को निर्णय निर्माण की पूर्ण शक्ति और अवसर प्रदान करेगा,जिससे लोकतंत्र और अधिक समावेशी, संवेदनशील और सशक्त स्वरूप ग्रहण करेगा। महिला आरक्षण कानून अब केवल एक विधायी व्यवस्था नहीं,बल्कि उस नए भारत का स्पष्ट और अटल संदेश बन चुका है,जो समानता, सहभागिता और प्रगति के पथ पर दृढ़ आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

यदि आप हृदय की देखभाल करते हैं, तो आप मस्तिष्क की भी देखभाल करते हैं

डॉ विजय गर्ग,मलोट पंजाब

पीढ़ियों से हृदय भावना और जीवन शक्ति का प्रतीक रहा है,जबकि मस्तिष्क को विचार और बुद्धि के केंद्र के रूप में देखा गया है। हालाँकि,आधुनिक विज्ञान एक गहन सत्य को उजागर करता है- ये दोनों अंग गहराई से जुड़े हुए हैं। एक की देखभाल करने से दूसरे को सीधा लाभ होता है। स्वस्थ हृदय, स्वस्थ मन वाक्यांश अब सिर्फ एक कहावत नहीं है। यह एक चिकित्सा वास्तविकता है।

हृदय मस्तिष्क कनेक्शन

हृदय और मस्तिष्क रक्त वाहिकाओं, तंत्रिकाओं और रासायनिक संकेतों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। मस्तिष्क हृदय द्वारा पंप किए जाने वाले ऑक्सीजन युक्त रक्त के स्थिर प्रवाह पर निर्भर करता है। इस प्रवाह में एक संक्षिप्त व्यवधान भी मस्तिष्क के कार्य को प्रभावित कर सकता है। इसी तरह, मस्तिष्क हृदय गति, रक्तचाप और समग्र हृदय गतिविधि को नियंत्रित करता है। जब दिल संघर्ष करता है, तो मस्तिष्क कष्ट उठाता है। रक्त प्रवाह में कमी से याददाश्त, एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और स्ट्रोक जैसी स्थितियों का खतरा भी बढ़ सकता है। दूसरी ओर, मस्तिष्क का खराब स्वास्थ्य-विशेष रूप से दीर्घकालिक तनाव या चिंता-रक्तचाप को बढ़ा सकता है और हृदय पर दबाव डाल सकता है।

साझा जोखिम कारक

दिल को नुकसान पहुंचाने वाले कई कारक मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इनमें शामिल हैं-

उच्च रक्तचाप
खराब आहार
शारीरिक गतिविधि का अभाव
धूम्रपान और शराब का सेवन
दीर्घकालिक तनाव

उदाहरण के लिए, अनियंत्रित उच्च रक्तचाप न केवल हृदय रोग का जोखिम बढ़ाता है, बल्कि संज्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश जैसी स्थितियों में भी योगदान देता है। यह ओवरलैप स्वास्थ्य को अधिक एकीकृत तरीके से देखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

जीवनशैली की भूमिका

अच्छी खबर यह है कि एक जैसी स्वस्थ आदतें दोनों अंगों की रक्षा करती हैं। उदाहरण के लिए,नियमित व्यायाम हृदय को मजबूत करता है तथा मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में भी सुधार करता है, जिससे स्मृति और मनोदशा बढ़ती है। पैदल चलना, साइकिल चलाना या योग जैसी गतिविधियां महत्वपूर्ण अंतर ला सकती हैं। फल,सब्जियां,साबुत अनाज और स्वस्थ वसा से भरपूर संतुलित आहार हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करता है और मस्तिष्क कोशिकाओं को पोषण देता है। मेवे, बीज और पत्तेदार साग जैसे खाद्य पदार्थ विशेष रूप से लाभदायक हैं। नींद एक और महत्वपूर्ण कारक है। खराब नींद हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे ध्यान केंद्रित करने में कमी आती है तथा भावनात्मक असंतुलन होता है।

मानसिक स्वास्थ्य मायने रखता है

इस संबंध में भावनात्मक कल्याण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दीर्घकालिक तनाव, चिंता और अवसाद हृदय स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डाल सकते हैं। तनाव हार्मोन में वृद्धि से हृदय गति और रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे दीर्घकालिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही,सीखने, पढ़ने या रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मस्तिष्क को शामिल करने से मानसिक लचीलापन में सुधार हो सकता है और तनाव के स्तर को कम करके अप्रत्यक्ष रूप से हृदय को लाभ मिल सकता है।

इलाज से बेहतर रोकथाम है

नियमित स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप की निगरानी और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखना हृदय और मस्तिष्क दोनों विकारों को रोकने में बहुत सहायक हो सकता है। समस्याओं का शीघ्र पता लगाने से जटिलताओं के जोखिम में काफी कमी आ सकती है। सरल दैनिक आदतें जैसे सीढ़ियां चढ़ना,ध्यानपूर्वक भोजन करना,सामाजिक रूप से जुड़े रहना और विश्राम तकनीकों का अभ्यास करना समग्र कल्याण के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए एक समग्र दृष्टिकोण

हृदय और मस्तिष्क के बीच का संबंध हमें याद दिलाता है कि शरीर अलग-थलग होकर काम नहीं करता। सच्चा स्वास्थ्य संतुलन में है। हृदय की देखभाल करके,हम यह सुनिश्चित करते हैं कि मस्तिष्क को आवश्यक पोषण मिले। मन का पोषण करके हम दिल पर बोझ कम करते हैं।

अंततः,संदेश स्पष्ट हैः एक की देखभाल करना दोनों की देखभाल करना है। एक स्वस्थ जीवन अलग-अलग प्रयासों से नहीं, बल्कि एक एकीकृत दृष्टिकोण के साथ शुरू होता है-जहां स्वास्थ्य की यात्रा में हृदय और मस्तिष्क को भागीदार माना जाता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

स्मार्ट-गोबर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

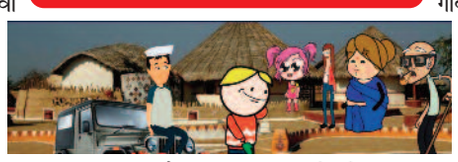

रामपुरिया गांव के स्वयंभू वैज्ञानिक गबडू लाल ने जब प्रधानी के चुनाव में कदम रखा, तो उन्होंने पारंपरिक विकास की बलि चढ़ा दी। उनका चुनावी मुद्दा था–गोबर का डिजिटलाइजेशन। गबडू लाल का तर्क था कि जिस गांव का पशुधन केवल सड़क पर कीचड़ फैला रहा है,वह गांव कभी आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गांव में गोबर-माइनिंग सेंटर खोलेंगे,जहाँ हर गाय और भैंस के गोबर को ऑर्गेनिक बिटकॉयन्स में बदला जाएगा। उनका दावा था कि इस गोबर से ऐसी गैस बनाई जाएगी जो न केवल चूल्हा जलाएगी,बल्कि ग्रामीणों के दिमाग की जंग लगी बत्तियां भी रोशन कर देगी। गांव के लोग,जो अब तक गोबर को सिर्फ उपले बनाने के काम लाते थे,अचानक उसे काला सोना समझकर अपनी तिजोरियों में रखने का सपना देखने लगे। गबडू लाल ने एक पुराने जेनरेटर पर पेंट करके उसे गोबर-प्रोसेसर घोषित कर दिया था,जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग अपनी नाक दबाकर आने लगे थे।

प्रचार के अंतिम चरण में गबडू लाल ने गांव के अखाड़े के पास एक नेचर-स्कैनर लगाया। यह वास्तव में एक टूटा हुआ सी सी टी वी कैमरा था जिसे उन्होंने एक नीम के पेड़ पर रस्सी से बांध दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि यह कैमरा गांव के हर पशु की मानसिक स्थिति और उसके आउटपुट की क्वालिटी पर नज़र रख रहा है। जो भी ग्रामीण गबडू लाल को वोट देने की प्रतिज्ञा करेगा,उसकी भैंस का गोबर सीधे प्रीमियम ग्रेड में रजिस्टर होगा और उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के भाव बेचा जाएगा। विपक्षी उम्मीदवार बुधु राम नाली-खड़ंजे की पुरानी रट लगा रहे थे,लेकिन जनता को तो गोबर में डॉलर छपते दिख रहे थे। गबडू लाल ने एक लाउडस्पीकर पर गायों की डकार की आवाज़ें रिकॉर्ड करके चला दीं,जिसे उन्होंने प्रकृति का अप्रूवल बताया। लोग अपने जानवरों को वीआईपी ट्रीटमेंट देने लगे ताकि गबडू लाल की मशीन में उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो सके।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और गबडू लाल भारी बहुमत से जीत गए,पूरा गांव अपनी गोबर-रसीद और डॉलर का हिस्सा मांगने उनके घर पहुंचा। गबडू लाल ने बड़े इत्मीनान से एक बड़ा सा कड़ाहा खोला जिसमें ताजा गोबर भरा था और सबको एक-एक फावड़ा थमा दिया। जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर,हमारे डॉलर और बिटकॉयन्स कहाँ हैं? गबडू लाल ने अपनी मूंछों पर ताव देते हुए गंभीर आवाज़ में कहा– मूर्खों! असली बिटकॉयन्स तो यही गोबर है। मैंने तो सिर्फ तुम्हें यह एहसास कराया कि तुम लोग पांच साल तक इसी में सने रहने के लायक हो! डॉलर तो वे थे जो मैंने तुम्हारे चंदे से बटोर कर अपनी नई एसयूवी की किस्त भर दी। अब इस गोबर को उठाओ और अपने खेतों में डालो,क्योंकि लोकतंत्र का असली स्वाद तो इसी की सड़ांध में छिपा है। जनता सन्न खड़ी अपने हाथों में फावड़ा पकड़े एक-दूसरे का मुंह ताक रही थी,जबकि गबडू लाल अपनी नई गाड़ी का सायरन बजाते हुए वेस्ट मैनेजमेंट का सरकारी फंड डकारने शहर की ओर निकल पड़े।

अवैध संबंध के शक में महिला की हत्या,आरोपी चिरमिरी से गिरफ्तार

बलात्कार के बाद की नृशंस हत्या,1000 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने पकड़ा आरोपी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सद्भावना चौक के पास झोपड़ीनुमा दुकान में महिला की लाश मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक,अवैध संबंध के शक में आरोपी ने महिला के साथ पहले दुष्कर्म किया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद फरार आरोपी को चिरमिरी से गिरफ्तार कर लिया गया है। सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल ने शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी राम सिंह उर्फ छोटू उर्फ मिथुन (30) निवासी ग्राम मकनपुर, थाना प्रतापपुर (सूरजपुर) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पिछले

4-5 साल से महिला के साथ रह रहा था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मृतका के किसी अन्य मजदूर से संबंध होने की जानकारी मिली थी। इसी बात को लेकर 2 अप्रैल की रात दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाया और फिर हाथ-मुक्कों से बेरहमी से मारपीट की। सीने पर चढक़र और सिर-चेहरे पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

भागने के लिए अपनाया ये रास्ता : घटना के बाद आरोपी पैदल रेलवे ट्रैक के रास्ते अंबिकापुर रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां से ट्रेन पकडक़र बिश्रामपुर होते हुए एमसीबी जिले के नागपुर पहुंचा और फिर जीप से चिरमिरी में अपनी मां के पास छिप गया।

1000 सीसीटीवी कैमरों से मिला सुराग : एसएसपी ने बताया कि आरोपी घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने करीब 1000 कैमरों के फुटेज खंगाले और उसकी लोकेशन ट्रेस की। अंततः चिरमिरी पुलिस की मदद से उसे पकड़ लिया गया।

दोनों थे शादीशुदा

पुलिस के अनुसार आरोपी और मृतका दोनों शादीशुदा थे। आरोपी की पत्नी सूरजपुर जिले के रमकोला में रहती है,जबकि उसकी मां चिरमिरी में रहती है।

जेल भेजा गया आरोपी

कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में कोतवाली टीआई शशिकांत सिन्हा, एसआई केके यादव, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक विवेक राय,नितिन सिन्हा,दीपक पांडेय,बृजेश राय,संजीव चौबे,शिव राजवाड़े,देवेंद्र पाठक के अलावा साइबर सेल प्रभारी एएसआई अजीत मिश्रा,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान,विकास सिन्हा,जयदीप सिन्हा,आरक्षक विकास मिश्रा,अशोक यादव,मनीष सिंह,अनुज जायसवाल,जितेश साहू,राहुल केरकेट्टा,अमन पुरी,वीरेंद्र पैंकरा,चिरमिरी थाना प्रभारी एसआई विजय सिंह, प्रधान आरक्षक संतोष कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह व आरक्षक चंद्रसेन ठाकुर व मदन राजवाड़े शामिल रहे।

पिता ने तीर-धनूष से बेटे पर किया हमला,रायपुर रेफर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम खरखीरी में शुक्रवार की शाम शराब के नशे में हुए विवाद के बाद पिता ने बेटे पर तीर-धनूष से हमला कर दिया। तीर उसके पेट में लगा है। डायल 112 की मदद से उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार दशरथ कोरवा दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम खरखरीरी का रहने वाला है। वह शुक्रवार की शाम करीब 4 बजे शराब के नशे में घर आया और बेटा राजेश कोरवा उम्र 22 वर्ष के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। नशे की हालत में पिता ने घर से तीर-धनूष निकाला और बेटे पर हमला कर दिया। तीर बेटे के पेट में जा घूसा और

वहीं पर बेहोश हो गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम गंभीर रूप से जख्मी राजेश कोरवा को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे रायपुर रेफर कर दिया है।

आधी रात प्रतिमा अनावरण मामला : युकां जिलाध्यक्ष पर केस दर्ज

सीएम कार्यक्रम से पहले अनावरण करने का आरोप,भड़काऊ भाषण का वीडियो भी वायरल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शहर के आकाशवाणी चौक स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के अनावरण को लेकर विवाद गहरा गया है। कोतवाली पुलिस ने सरगुजा युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विकल झा के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई नगर निगम के सहायक अभियंता की शिकायत पर की गई है। जानकारी के अनुसार, 9 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रतिमा का औपचारिक अनावरण किया जाना था। इससे पहले 8 अप्रैल की आधी रात युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष विकल झा ने अपने साथियों के साथ प्रतिमा का अनावरण कर दिया। आरोप है कि इससे

शासकीय कार्यक्रम और तैयारियों में बाधा उत्पन्न हुई। सहायक अभियंता प्रदीप पैंकरा ने शिकायत में बताया कि प्रतिमा के अनावरण के बाद निगम को दोबारा साज-सज्जा करनी पड़ी। उन्होंने इसे शासकीय कार्य में हस्तक्षेप और संपत्ति को नुकसान बताया है।

वीडियो में भड़काऊ बयान का आरोप

शिकायत में यह भी कहा गया है कि अनावरण के दौरान दिए गए भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें भड़काऊ और आपत्तिजनक बातें कही गईं। इसे सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला बताया गया है।

इन धाराओं में केस दर्ज

कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 221, 3(5), 324(3) और 353(2) के तहत अपराध दर्ज किया है।

भाजपा पार्षद ने पुलिस पर उठाए सवाल

मामले में भाजपा पार्षद आलोक दुबे ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आईजी से शिकायत कर कहा कि घटना के दौरान पुलिस गश्ती दल मौजूद होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की है।

सरगुजा में कांग्रेस को जो खोना था वो वह खो चुकी है,अब सफलता की तैयारी में लगें : टीएस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की नवगठित कार्यकारणी की बैठक कार्यालय राजीव भवन में सम्पन हुई। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कार्यकारणी के सदस्यों को बधाई देते हुए संगठन की मजबूती के लिए कमर कस लेने को कहा। उन्होंने कहा कि सरगुजा में कांग्रेस को जो खोना था वो वह खो चुकी है, अब फिर 2018 जैसे सफलता की तैयारी में लग जाना है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और भाईचारे की कांग्रेस की विचारधारा के साथ हमे सफलता हासिल करना है। महिला आरक्षण और इसको लागू करने के लिए देश मे बढऩे वाली विधानसभा और लोकसभा सीटों की संख्या को लेकर उन्होंने कहा कि 16 से 18 अप्रैल को महिला आरक्षण पर होने वाले संसद के सत्र के बाद देश की राजनीति में आमूल चूल बदलाव आएगा। इससे एकरूपता के लिये संगठन को तैयार रहना चाहिए। कार्यकारणी की बैठक को संबोधित करते हुए

सरगुजा कांग्रेस प्रभारी एवं पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह ने कहा कि पंचायत/वार्ड कमेटी, बूथ कमेटी के गठन में सरगुजा जिला पूरे प्रदेश में अग्रणी है। इसकी बधाई देता हूँ। 15 अप्रैल तक शतप्रतिशत कमेटियों के गठन का लक्ष्य दिया है। ये कमेटियां और इसके पदाधिकारी पार्टी के फ्रंटलाइन सिपाही होंगे। कांग्रेस की चुनावी चुनौतियों की महती जिम्मेदारी इनके कंधे पर रहेगी। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत, पीसीसी महामंत्री जेपी श्रीवास्तव एवं निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने भी सम्बोधित किया।

चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण

कांग्रेस की नवगठित जिला कार्यकारिणी ने पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में शहीद पंडित चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मीडिया द्वारा युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा अपराध दर्ज किये जाने के विषय में पूछे जाने पर उन्होंने इसी चौक पर अनावरण से संबंधित लगे एक बैनर की ओर इशारा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की गरिमा के विपरीत इस पूरे आयोजन को किया गया उससे युवा उद्वेलित हुए। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं को धैर्य के साथ उचित कार्य करना चाहिए। गलत बात का उचित प्रतिवाद होना चाहिए। शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं एआईसीसी सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने भाजपा नेता स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी के प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि अनावरण कार्यक्रम का आमंत्रण उन्हें नहीं मिला, हालांकि रजनी त्रिपाठी द्वारा उन्हें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया था। शहर में मौजूद नहीं होने के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए थे।

श्वान के काटने के बाद वैद्य से करा रहा था इलाज,हो गई मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
एमसीबी जिले के ग्राम ठग्गांव में होली के दिन 4 मार्च को श्वान ने एक ग्रामीण को काट लिया था। वह घटना की जानकारी घर वालों को नहीं दी थी और स्वयं गांव में ही जड़ी-बुटी से इलाज करा रहा था। अचानक 9 अप्रैल को उसकी तबियत बिगड़ गई। खडग़वां अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शिव प्रसाद पिता शिवबालक अहिर उम्र 33 वर्ष एमसीबी जिले के खडग़वां थाना क्षेत्र के ग्राम ठग्गांव का रहने वाला था। होली के दिन 4 मार्च को श्वान ने उसके दाहिने कंधे में काट लिया था।

वह घटना की जानकारी परिजन को नहीं दी थी। वह स्वयं ही गांव में जड़ी-बुटी से इलाज करा रहा था। 9 अप्रैल को उसके दोनों कंधे में दर्द होने लगा। परिजन उसे इलाज के लिए खडग़वां अस्पताल में भर्ती कराए। उसने श्वान के काटने की जानकारी अस्पताल में परिजन को दी।

निजी स्कूलों पर प्रशासन की सख्ती 50 प्रतिशत फीस तक जुर्माने की तैयारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर में निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। सरगंवा क्षेत्र के दो स्कूलों में जांच के दौरान किताबों की जबरन बिक्री,महंगी निजी प्रकाशकों की किताबें और अवैध शुल्क वसूली जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं, जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने नोटिस जारी कर कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। मॉन्ट फोर्ड स्कूल और बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर तय दुकानों से ही किताबें और कॉपियां खरीदने का दबाव बनाया जा रहा था। मॉन्ट फोर्ड स्कूल में आशा बुक डिपो और राणा ब्रदर्स से बंडल में किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया गया। वहीं बिरला ओपन माइंड स्कूल में किताब घर से सेट खरीदने का दबाव पाया गया। कई अभिभावकों ने बताया कि उन्हें अलग-अलग किताबें लेने की अनुमति नहीं दी गई। जांच में सामने आया कि कक्षा नर्सरी से 8 वीं तक अधिकांश किताबें निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें हैं। 9वीं से 12वीं में भी कुछ प्राइवेट पब्लिशर्स की किताबें लागू हैं, जो सीबीएसई बायलॉज 2018 के क्लॉज 2.4.7 का उल्लंघन है। मॉन्ट फोर्ड स्कूल में हर साल एडमिशन फीस लेने और 5 से 14 प्रतिशत तक फीस बढ़ाने की बात सामने आई। वहीं बिरला ओपन माइंड स्कूल में रजिस्ट्रेशन फीस, एडमिशन फीस, सिक्योरिटी फीस और फील्ड ट्रिप/वर्कशॉप के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला गया। दोनों स्कूलों में पुस्तक सूची का प्रदर्शन न तो सूचना पटल पर किया गया और न ही वेबसाइट पर अपलोड किया गया। यूनिफॉर्म भी तय दुकानों से खरीदने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन को 2 दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

अंबिकापुर में हज यात्रियों को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दी शुभकामनाएँ

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में दी भावभीनी विदाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा अंबिकापुर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने हज यात्रा पर जा रहे सभी जायरीनों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, सुरक्षित और मंगलमय सफर की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि हज यात्रा इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण होती है। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने हज यात्रियों से अपील की कि वे इस पवित्र यात्रा के दौरान देश और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि के लिए भी दुआ करें। साथ ही, उन्होंने हज कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में समिति की भूमिका सराहनीय है। इस अवसर पर विधायक लुंड्रा श्री प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष श्री मिर्जा एजाज बेग, हज कमेटी के सम्मानित सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हज यात्रियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के दौरान हज यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए तथा उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की गई।

दूसरे आरोपी को पकडने गई टीम...पहला आरोपी नियंत्रण कक्ष से चकमा देकर भागा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
आबकारी उडऩदस्ता टीम की अजिब कारनामे सामने आए हैं। शनिवार को जहां बिश्रामपुर से 295 नग नशीले टैबलेट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। इस बीच आबकारी उडऩदस्ता टीम को जानकारी मिली की पूर्व के प्रकरण में फरार आरोपी अपने घर में है। उडऩदस्ता टीम गिरफ्तार आरोपी को सूरजपुर नियंत्रण कक्ष में दो आरक्षकों के भरोसे छोड़कर फरार आरोपी को पकडऩे गया, इधर दोनों आरक्षकों को चकमा देकर गिरफ्तार आरोपी फरार हो गया। जानकारी के अनुसार भोले

घसिया सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर आईटीआई कॉलोनी स्थित मकान नंबर 1030 में रहता है। वह अपने घर में नशीले टैबलेट रखकर बिक्री करने का काम करता था। इसकी जानकारी 11 अप्रैल को आबकारी उडऩदस्ता टीम को लगी। मुखबिर की सूचना पर आबकारी उडऩदस्ता टीम भोले घसिया के घर में दबिश देकर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके कमरे से 295 नशीले कैप्शूल व टैबलेट पाया गया। जिसे आबकारी उडऩदस्ता टीम ने जब्त कर आरोपी भोले घसिया को गिरफ्तार कर सूरजपुर आबकारी नियंत्रण कक्ष लाया। इस दौरान आबकारी उडऩदस्ता टीम को जानकारी मिली की पूर्व में एक प्रकरण में फरार आरोपी अपने घर में है। उडऩदस्ता टीम नियंत्रण कक्ष में दो आरक्षकों के भरोसे गिरफ्तार आरोपी भोले घेसिया को छोडक़र फरार आरोपी मोहम्मद शहजाद उर्फ रिंकू को गिरफ्तार करने कब्रिस्तान मोहल्ला स्थित उसके घर गई, जहां से उसे गिरफ्तार किया गया। इधर दोनों आरक्षको को चकमा देकर पानी पीने के बहाने गिरफ्तार आरोपी भोले घसिया फरार हो गया।

थाने में रिपोर्ट दर्ज : उडऩदस्ता टीम ने फरार आरोपी भोले घसिया की काफी तलाश की पर कहीं पता नहीं चला। उडऩदस्ता टीम ने आरोपी के खिलाफ सूरजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

अनुपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों पर बर्खास्तगी की होगी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल,जिला शिक्षा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार झा, जिला मिशन समन्वयक, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक अधिकारी एवं विभागीय

अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा अशासकीय विद्यालयों से प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से चर्चा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

भाजपा स्थापना दिवस पर 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान के तहत जुड़वानी में कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
लखनपुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर 'गांव चलो बस्ती चलो' अभियान के अंतर्गत भाजपा मण्डल कुन्नी द्वारा ग्राम पंचायत जुड़वानी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष शोलू सिंह, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रबजोत सिंह तथा मण्डल महामंत्री

विक्रम सिंह उपस्थित रहे ग्रामीणों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट-मुलाकात की तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उक्त कार्यक्रम में अभय वर्मा, आकेंश यादव, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष बबली सिंह, हरीश सोनी, लक्ष्मण सिंह, भारत सिंह, मुन्ना राम, देवानंद, शिव सारथी, चैतु राम, देवसाय सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण जनता उपस्थित रही। नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाने और गांव-बस्ती स्तर पर पार्टी की जड़ें मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्रीमती मीना अग्रवाल का निधन,शहर में शोक

सूरजपुर। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता के.के. अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती मीना अग्रवाल का निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थीं, वे रवि शंकर (शिव) एवं शिवेंद्र (शानू) की माता थीं, उनका अंतिम संस्कार नमदगिरी स्थित रेणुका नदी तट मुक्तिधाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, उनके निधन पर शहर में शोक की लहर है।

CMYK

सफेद मिट्टी की आड़ में 'काला कारोबार', चिरमिरी से पोड़ी-बचरा तक अवैध कोयले की सप्लाई

दिनदहाड़े दौड़ रहे कोयला ट्रक,ऊपर मिट्टी,नीचे माफिया का खेल....

- मिट्टी के नीचे छुपा कोयला रैकेट: चिरमिरी-खड़गवां रूट बना 'ब्लैक कॉरिडोर'
- आदेश बेअसर,सड़कों पर 'काला खेल', अवैध कोयला परिवहन पर प्रशासन मौन
- किसके संरक्षण में चल रहा नेटवर्क? ईंट भट्ठों तक कोयले की सप्लाई पर सवाल
- ऊपर सफेद, अंदर काला : मिट्टी नहीं,माफिया ढो रहे हैं ट्रक
- सख्ती के दावों के बीच बेखौफ कारोबार,चिरमिरी में अवैध कोयले की सप्लाई जारी

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां/एमसीबी,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में अवैध कोयला कारोबार का एक संगठित और चौंकाने वाला नेटवर्क सामने आ रहा है,जो प्रशासनिक सख्ती के तमाम दावों को चुनौती देता नजर आ रहा है,चिरमिरी बड़ी बाजार से शुरू होकर गोदरीपारा,भुकभुकी,दुबछोला,सिंघट और दुग्गी जैसे ग्रामीण मार्गों से गुजरते हुए पोड़ी-बचरा क्षेत्र के ईंट भट्ठों तक कोयले की सप्लाई दिनदहाड़े की जा रही है,सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस अवैध परिवहन को छुपाने के लिए एक बेहद चालाक तरीका अपनाया जा रहा है, कोयले से भरे मिनी ट्रकों के ऊपर सफेद मिट्टी की मोटी परत डाल दी जाती है, जिससे पहली नजर में वाहन सामान्य मिट्टी से लदा दिखाई देता है,यह न केवल कानून की आंखों में धूल झोंकने का तरीका है,बल्कि यह भी दर्शाता है कि अवैध कारोबार किस हद तक संगठित और संरक्षित है, सवाल यह उठता है कि इतने लंबे रूट पर खुलेआम हो रहे इस परिवहन पर खनिज विभाग,पुलिस और राजस्व अमले की नजर क्यों नहीं पड़ रही, या फिर यह सब कुछ नजरअंदाज किया जा रहा है। चिरमिरी से पोड़ी-बचरा तक चल रहा यह 'काला खेल' अब किसी से छुपा नहीं है। सफेद मिट्टी की आड़ में चल रहा यह कारोबार प्रशासन की आंखों के सामने ही पनप रहा है, अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या प्रशासन इस नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा, या फिर यह खेल इसी तरह चलता रहेगा?आने वाले दिनों में की गई कार्रवाई ही तय करेगी कि यह मामला एक बड़ी जांच में बदलता है या फिर एक और 'अनदेखी' बनकर रह जाता है।

दिनदहाड़े 'काला खेल', सफेद परत का छलावा

चिरमिरी-खड़गवां क्षेत्र में अवैध कोयले का परिवहन अब रात के अंधेरे तक सीमित नहीं रहा, स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार, यह कारोबार अब दिनदहाड़े खुलेआम संचालित हो रहा है,मिनी ट्रकों में कोयला भरने के बाद उसके ऊपर सफेद मिट्टी की मोटी परत डाल दी जाती है। इस 'कवर' की वजह से वाहन पहली नजर में सामान्य निर्माण सामग्री या मिट्टी से भरा लगता है, यही वजह है कि चेकिंग के दौरान कई बार यह वाहन संदेह से बच निकलते हैं, यह तरीका कोई नया नहीं,बल्कि लंबे समय से अपनाया जा रहा एक सुनियोजित तंत्र है,जो प्रशासनिक निगरानी को चुनौती देता है।

लंबा रूट,मजबूत नेटवर्क का संकेत

सूत्र बताते हैं कि अवैध कोयला चिरमिरी बड़ी बाजार से निकलकर गोदरीपारा,भुकभुकी, दुबछोला,सिंघट और दुग्गी जैसे कई गांवों से होते हुए पोड़ी-बचरा क्षेत्र तक पहुंचाया जाता है, इतने लंबे और व्यस्त मार्ग पर लगातार मिनी ट्रकों का आना-जाना यह दर्शाता है कि यह कोई छिटपुट गतिविधि नहीं, बल्कि एक संगठित नेटवर्क है, विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह का नेटवर्क बिना स्थानीय स्तर पर मजबूत समन्वय और संरक्षण के संचालित नहीं हो सकता।

ईंट भट्ठों तक सीधी सप्लाई मांग और आपूर्ति का खेल

इस अवैध कोयले की अंतिम मंजिल पोड़ी-बचरा क्षेत्र के ईंट भट्ठे बताए जा रहे हैं,ईंट निर्माण में कोयले की बड़ी मात्रा में आवश्यकता होती है, और यही मांग इस पूरे अवैध नेटवर्क को बढ़ावा दे रही है, सूत्रों के अनुसार, कई भट्ठों तक नियमित रूप से कोयले की सप्लाई की जा रही है, यह सवाल उठता है कि क्या इन भट्ठों के पास वैध स्रोत से कोयला लेने की व्यवस्था नहीं है, या फिर अवैध कोयला सस्ता पड़ने के कारण जानबूझकर इसका उपयोग किया जा रहा है,

यदि दूसरा मामला सही है, तो यह केवल परिवहन का ही नहीं,बल्कि उपभोग का भी अवैध नेटवर्क बन चुका है।

प्रशासनिक निर्देश बनाम जमीनी हकीकत

जिला और संभाग स्तर के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अवैध गतिविधियों पर सख्ती के निर्देश दिए जाते रहे हैं,बैठकों में स्पष्ट कहा जाता है कि किसी भी प्रकार का अवैध खनन या परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल अलग नजर आती है, दिनदहाड़े चल रहे इस कारोबार ने यह साबित कर दिया है कि या तो निगरानी तंत्र कमजोर है,या फिर कहीं न कहीं मिलीभगत का खेल चल रहा है।

कहां चूक रहा है सिस्टम?

इस पूरे मामले में तीन प्रमुख विभागों की भूमिका अहम है खनिज विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, यदि इतने बड़े पैमाने पर अवैध कोयले का परिवहन हो रहा है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन विभागों की संयुक्त कार्रवाई क्यों नहीं दिख रही,क्या चेक पोस्ट पर जांच नहीं हो रही? क्या स्थानीय स्तर पर जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही? या फिर यह सब कुछ जानबूझकर नजर अंदाज किया जा रहा है?

स्थानीय लोगों की गवाही : 'सब जानते हैं,कोई बोलता नहीं'

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह कारोबार कोई छुपा हुआ नहीं है, रोजाना मिनी ट्रकों की आवाजाही होती है और लोग जानते हैं कि इनमें क्या जा रहा है, लेकिन कार्रवाई न होने से लोगों में यह धारणा बन गई है कि इस नेटवर्क को किसी न किसी स्तर पर संरक्षण प्राप्त है,कुछ लोगों का यह भी कहना है कि शिकायत करने पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती,जिससे अवैध कारोबारियों के हौसले और बुलंद हो जाते हैं।

संभावित आर्थिक नुकसान और पर्यावरणीय खतरा

अवैध कोयला परिवहन केवल कानून का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सरकार को राजस्व का भारी नुकसान भी पहुंचाता है, इसके अलावा, बिना नियमन के कोयले का उपयोग पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है, ईंट भट्ठों में निम्न गुणवत्ता वाले कोयले के उपयोग से प्रदूषण बढ़ता है, जिसका असर आसपास के गांवों और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

कार्रवाई का रोडमैप: क्या किया जा सकता है?

विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों के अनुसार, इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं, संवेदनशील मार्गों पर अचानक नाकेबंदी, मिनी ट्रकों की सघन जांच,ईंट भट्ठों की सप्लाई चेन की जांच, संयुक्त टीम बनाकर अभियान चलाना,ड्रोन और तकनीकी निगरानी का उपयोग यदि इन उपायों को गंभीरता से लागू किया जाए,तो अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश संभव है।

बड़ी चुनौती या अनदेखी?

यह मामला अब केवल अवैध कोयले के परिवहन तक सीमित नहीं रह गया है, यह प्रशासनिक इच्छाशक्ति, निगरानी तंत्र और जवाबदेही की परीक्षा बन चुका है, यदि इस पर जल्द कार्रवाई नहीं होती, तो यह संकेत जाएगा कि अवैध कारोबार के सामने प्रशासनिक तंत्र कमजोर पड़ रहा है।

13 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी माओवादी हुआ गिरफ्तार

-संवाददाता-
सामरी,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के सामरी पाठ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, 13 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी माओवादी संगठन का सक्रिय सदस्य मुन्ना कोरवा को समरी पुलिस ने झारखंड के भंडरिया जिले से गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 02/2012 धारा 147, 148, 149, 342, 395, 307, 232, 120 (बी) भादवि एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस जानकारी के अनुसार दिनांक 09-10/02/2012 को नक्सलियों ने लखू यादव पिता लक्ष्मण यादव, उम्र 25 वर्ष,साकन भुगलुडिह,थाना महुआडाड़, जिला लातेहार (झारखण्ड) हाल मुकाम कंजिया, थाना कुसमी को ग्राम पुन्दाग में बंधक बनाकर मारपीट किये थे तथा नक्सली दस्ता के मुख्य सदस्य इकबाल यादव पिता मिठ्ठू यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी सरूवत, थाना भण्डरिया, जिला गढ़वा (झारखण्ड) की बातों को प्रार्थी लखू यादव द्वारा नहीं मानने की बात कहकर हत्या करने की नियत से बंदूक से गोली चलाये थे किन्तु प्रार्थी लखू यादव के द्वारा वहां से किसी प्रकार जंगल में भाग गया था। प्रार्थी लखू यादव के रिपोर्ट पर थाना सामरीपाठ में अपराध क्र. 02/2012 धारा 147, 148, 149, 342, 395, 307, 232, 120 (बी) भादवि एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान मामले में फरारी पंचनामा तैयार कर आरोपियों के विरूद्ध अपराध सिद्ध पाये जाने से दिनांक 30.05.2012 को अभियोग तैयार कर माननीय न्यायालय रामानुजगंज में पेश किया गया था। उक्त प्रकरण में माननीय न्यायालय रामानुजगंज के द्वारा फरार आरोपियों के विरूद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। स्थायी वारंटी मुन्ना कोरवा पिता भोगड़ो कोखा, निवासी

टेहड़ी, थाना भण्डरिया, जिला लातेहार (झारखण्ड) जो विगत 12-13 वर्षों से फरार था। पुलिस को आरोपी फरार स्थायी वारंटी की ग्राम टेहड़ी भण्डरिया क्षेत्र में छिपकर रहने की सूचना मिली जिस पर थाना प्रभारी सामरीपाठ द्वारा पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर (भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के दिशा मार्गदर्शन एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कुसमी आशीष कुंजाम द्वारा दिये गये निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर टीम को झारखंड खाना किया गया था जहां टेहड़ी,भण्डरिया से फरार स्थायी वारंटी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर थाना सामरीपाठ लाया गया, स्थायी वारंटी को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर आज दिनांक 11/04/26 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, सउनि आनन्द मसीह तिर्की, प्र. आर. 383 विनोद सिंह एवं आर. 886 मोतीराम राजवाड़े, आर. 691 ओमकार रजक एवं आर. 848 अजय कुमार का सराहनीय योगदान रहा।

नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति के द्वारा चतुर्थ वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

ढोल नगाड़े आतिशबाजी यो के साथ रैली निकालकर सामाजिक एकता का दिया संदेश

-संवाददाता-
राजपुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के राजपुर के नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति ने वार्षिकोत्सव के मौके पर महुआपारा स्थित सर्व सोनार समाज भवन से नगर में ढोल नगाड़ों, आतिशबाजी के साथ रैली निकाल कर सामाजिक एकता का दिया गया संदेश, उक्त रैली राजपुर के महुआ पर स्थित सोनार भवन से नगर पंचायत राजपुर के मुख्य मार्ग से होते हुए स्थानीय गेउर हरीतिमा पार्क के सभा स्थल में पहुंच कर आयोजित आम आमसभा का आयोजन किया गया।

प्रभु श्री राम के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं राम गीत गाकर आम सभा प्रारंभ किया गया, उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के अन्य जिलों एवं अदर राज्य से आए अतिथियों के द्वारा सभा प्रारंभ करने से पूर्व प्रभु श्री राम जी की चित्र में पुष्पांजलि अर्पित कर वंदना गीत गाकर आमसभा का प्रारंभ किया गया, सभा आरंभ बच्चों की इच्छा से प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से उनके द्वारा नृत्य एवं गीत प्रस्तुत कराया गया। नव दंपति जोड़ो एवं 2 वर्ष पूर्ण विवाहित माताओन को सम्मानित किया गया। सभा में आए अतिथियों के द्वारा समाज के उत्थान एवं प्रोत्साहित करने करते हुए नव दंपति जोड़ो एवं 2 वर्ष पूर्व जिनका विवाह हो चुका है और जिनके बच्चे हैं उन्हें मंच पर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित पत्रकारो एवं ड्यूटी करने आए पुलिस कर्मियों का भी सम्मान किया गया,

कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए पत्रकारों एवं कोई अप्रिय घटना ना हो उसकी मांग पर राजपुर थाना प्रभारी के द्वारा भेजे गए पुलिस टीम को स्मृति चिन्ह देखकर उपस्थित अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में नवीन सर्व सोनार समाज कल्याण समिति के अतिथियों एवं विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी यो के साथ-साथ पुरुष एवं महिला वक्ताओं ने समजहीत एवं समाज के उत्थान के लिए अपनी अपनी बातें रखी, सूरजपुर से आए सूरजपुर जिला के नवीन सोनार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष चमरू सोनी के द्वारा उक्त कार्यक्रम की प्रशंसा कर राजपुर सोनी समाज को बधाइयां देते हुए कहागया की समाज के द्वारा किया गया नवीन सोनार समाज के लिए मिल का पत्थर साबित होगा, आज कार्यक्रम के दौरान यह देखने सुनने को मिला कि हमारे समाज ने लग्न एवं मेहनत से जो उपलब्धियां हासिल की है यह समाज के लिए गौरव की बात है, साथ ही कहा कि हमें आपसे बस आपसी वैस्मयता एवं प्रतिस्पर्धा को लेकर कभी किसी से मनमुटाव से बचना चाहिए , प्रयास यह करें अपने समाज के साथ-साथ निर्धन गरीब तपका लोगों के सहयोग के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए, ताकि हमारे समाज का नाम बुलंदियों को छुए , अंत में कहा कि हम सब जब तक मुट्ठी बंद की तरह रहेंगे आंधी तूफानों से भी हम बचकर निकल आएंगे यदि टुकड़ियों में बटे रहेंगे हमारे आने वाला भविष्य को अंधकारों से बचाया नहीं जा सकता। समाज के अध्यक्ष सुरेश सोनी जी को विशेष तौर पर बधाई देते हुए सुरेश सोनी को समाज हित के एक जुटता और सफल कार्यक्रम कराने के लिए भूरी भूरी प्रशंसा कर बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन अरुण सोनी एवं समापन सुरेश सोनी के द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में भारी संख्या में राजपुर सोनी समाज के पदाधिकारी एवं महिला पदाधिकारीयों के साथ-साथ महिला बच्चे बुजुर्ग युवा शामिल रहे।

12 वरिष्ठ नागरिकों के मोतियाबिंद का हुआ सफल ऑपरेशन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
संचालक समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार भारत सरकार की महत्वपूर्ण एवं महत्त्वकांक्षी अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत जिले से फरसाबहार, बगीचा जनपद क्षेत्र एवं जनक वृद्धआश्रम जशपुर से कुल 54 वरिष्ठ नागरिकों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया था। जिसमें से 06 वरिष्ठ नागरिकों का 22 मार्च को रायपुर स्थित सफलतापूर्वक मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। इसी प्रकार 01 वरिष्ठ नागरिकों को चश्मा प्रदाय किया गया और 01 वरिष्ठ नागरिक का बी0पी0 एवं शुगर होने के कारण

से ऑपरेशन नहीं किया गया। इसी कड़ी में बगीचा जनपद अंतर्गत 25 मार्च 2026 को 13 हितग्राहियों को जन प्रतिनिधियों द्वारा फूल माला एवं शाल से स्वागत कर मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु एआईआईएमएस रायपुर रवाना किया गया। जिसमें से देवरी बाई 72 वर्ष, राजपति 65 वर्ष, मालती देवी 66 वर्ष मुनेश्वरी 66 वर्ष लक्ष्मनिया बाई 71 वर्ष खुदुराम 65 वर्ष पेटरा 71 वर्ष कुवर 66 वर्ष का सफलता पूर्वक ऑपरेशन किया गया एवं कौशल्या बाई 71 वर्ष, कपूर राम 74 वर्ष एवं चरण राम 65 वर्ष को बी0पी0 एवं शुगर होने के करण ऑपरेशन नहीं किया गया। इस प्रकार अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत एआईआईएमएस रायपुर में कुल 19 वरिष्ठ नागरिको में 12 वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद का सफलतापूर्वक ऑपरेशन हुआ एवं 02 को चश्मा दिया गया। वर्तमान में इन सभी का जिला अस्पताल जशपुर में फॉलो अप करवाया गया।

जिला अस्पताल के ऑपरेटर जीवनदीप कर्मी मोती चौहान को कारण बताओ नोटिस जारी किया

-संवाददाता-
जशपुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक ने श्रीमति मोती चौहान (ऑपरेटर जीवनदीपकर्मी) जिला चिकित्सालय जशपुर को मरीज के परिजनो के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार करने के संबंध मे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए 5 दिन का दिया समय। सिविल सर्जन ने नोटिस में उल्लेख किया है कि सोशल मिडिया फेसबुक में प्रकाशित/अपलोड विडियो वायरल के को संज्ञान में लेते हुए दिनांक 08.04.2026 को सोशल मिडिया में प्रसारित विडियो में यह ज्ञात हो रहा है, कि मरीज के परिजन के साथ आयुष्मान कार्ड को चालू करने के संबंध में आपके द्वारा मरीज के परिजन के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। विडियो मे यह परिलक्षित हो रहा है कि मरीज सुबह से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन अरोगय योजना का लाभ लेने के लिए आयुष्मान कांऊटर में बार-बार अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहा है, किन्तु आपके द्वारा किसी प्रकार की समस्या होने का शांतिपूर्वक निदान न बताया जाकर संबधित से अभद्रतापूर्ण चिलाकर बात किया जा रहा है जो कि पूर्णतः करना छ0ग0 सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के विपरीत है। चूंकि आप एक शासकीय कार्यालय में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन कर रहे है, कदाचित यह व्यवहार मान्य नहीं है।अतः इस संबंध में अपना लिखित स्पष्टीकरण 05 दिवस में मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करें।

घटती घटना की खबर का बड़ा और ऐतिहासिक असर:

खबर प्रकाशित होने के तत्काल बाद प्रीति राजवाड़े को मिला जाति प्रमाण पत्र

- प्रशासन ने तत्काल लिया संज्ञान
- हल्का पटवारी ने घर पहुंचकर ली जानकारी
- दस्तावेज अवलोकन व पंचनामा के बाद तत्काल जारी किया प्रमाण पत्र

तहसील की चौखट पर दम तोड़ती उम्मीदें...
80 साल पुराने दस्तावेज़ भी नहीं दिला पा रहे गांव की बेटी को उसकी पहचान
- आजादी के पहले के रिकॉर्ड भी पड़े फीके,
- कागजों की लड़ाई में उलझ गया बेटी का भविष्य
- साहब! 1946 का रिकॉर्ड और कितनी बार दूं?
- सोनहत में सिस्टम की संवेदनहीनता के आगे बेबस हुई छात्रा
- कैसा सुशासन ? जब आदमी की पहचान को तरस रही गांव की बेटी

भविष्य का संकट

केस स्टडीः प्रीति राजवाड़े की 3 साल की लंबी जंग

अजीबो-गरीब स्थिति

फिर वही ढाक के तीन पात

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठते सवाल

निरस्तीकरण का आधार

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),11 अप्रैल 2026(घटती-घटना)। घटती-घटना की खबर का एक बार फिर बड़ा और ऐतिहासिक असर देखने को मिला है, कोरिया जिले की सोनहत तहसील में जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए तीन साल से भटक रही ग्राम घुघरा की बेटी प्रीति राजवाड़े की मेहनत रंग लाई है,घटती-घटना में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने इस मामले पर त्वरित संज्ञान लिया और खबर प्रकाशित होने के तत्काल बाद ही प्रीति को उसका स्थाई जाति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया।

प्रीति और उसके परिवार में खुशी की लहर

जाति प्रमाण-पत्र मिलने पर प्रीति और उसके परिवार में खुशी की लहर है, उन्होंने जिला व खण्ड स्तरीय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया साथ घटती-घटना को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी खबर की वजह से ही आज उन्हें न्याय मिल पाया है, प्रीति ने कहा कि अब वह बिना किसी रुकावट के उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती है और सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन कर सकती है।

घटती-घटना की प्रतिबद्धता

घटती-घटना हमेशा से ही जनता की आवाज बुलंद करने और न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। प्रीति राजवाड़े के मामले में भी घटती -घटना ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और एक छात्रा को उसका संवैधानिक अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की,यह खबर का असर इस बात का प्रमाण है कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका आज भी कितनी महत्वपूर्ण है।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल

प्रीति राजवाड़े के मामले ने सोनहत तहसील की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं,सवाल यह उठता है कि जब प्रीति के पास सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद थे, तो फिर उसे तीन साल तक क्यों भटकाया गया? या फिर उनके दस्तावेजों में कोई कमी थी तो उन्हें बताया क्यों नही गया?

भविष्य की उम्मीद

प्रीति राजवाड़े के मामले में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई एक सकारात्मक संकेत है,उम्मीद है कि भविष्य में भी प्रशासन जनता की समस्याओं पर इसी तरह त्वरित कार्रवाई करेगा और किसी को भी न्याय पाने के लिए वर्षों तक भटकना नहीं पड़ेगा,घटती-घटना हमेशा से ही जनता के साथ खड़ा है और आगे भी इसी तरह जनता की आवाज बुलंद करता रहेगा।

घटती घटना की खबर का बड़ा असर

गौरतलब है कि घटती-घटना ने तहसील की चौखट पर दम तोड़ती उम्मीदें 80 साल पुराने दस्तावेज़ भी नहीं दिला पा रहे गांव की बेटी को उसकी पहचान शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी, इस खबर में बताया गया था कि प्रीति राजवाड़े साल 2021 से अपने स्थाई जाति प्रमाण पत्र के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर काट रही थी। उसके पास सन 1946-47 के वैध रिकॉर्ड भी मौजूद थे,जो शासन की निर्धारित समय सीमा (1985) से भी लगभग 40 साल पुराने थे। इसके बावजूद उसके आवेदन को बार-बार बिना किसी ठोस कारण के निरस्त किया जा रहा था।

प्रशासन ने लिया त्वरित संज्ञान

खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया,मामले की गंभीरता को देखते हुए हल्का पटवारी ने तत्काल प्रीति राजवाड़े के घर पहुंचकर जानकारी ली,दस्तावेजों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और पाया कि प्रीति के पास सभी आवश्यक दस्तावेज मौजूद हैं, इसके बाद मौका पंचनामा तैयार कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही की गई और तत्काल प्रीति का जाति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया।

गांव चलो-बस्ती चलो अभियानःस्वच्छता से जनसंपर्क तक,भाजपा का जमीनी अभियान तेज

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। शहर में राजनीतिक सक्रियता अब केवल सभाओं तक सीमित नहीं रही,बल्कि ज़मीनी स्तर पर दृश्य उपस्थिति के रूप में सामने आ रही है। इसी कड़ी में भाजपा मंडल सूरजपुर शहर द्वारा गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसकी शुरुआत मानपुर स्थित शिव मंदिर परिसर से की गई, अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में श्रमदान करते हुए सफाई की, झाड़ू और फावड़े के साथ कार्यकर्ताओं की सक्रियता ने इसे केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं रहने दिया, बल्कि स्वच्छता के प्रति एक सार्वजनिक संदेश के रूप में प्रस्तुत किया। स्थानीय लोगों को भी इस पहल से जोड़ने का प्रयास किया गया, ताकि सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जा सके। स्वच्छता अभियान के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया,हालांकि,यह संवाद राजनीतिक संदेश और जनभावना के बीच संतुलन बनाने का प्रयास भी नजर आया,कार्यक्रम में भाजपा के कई पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, जिनमें किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अजय अग्रवाल (अज्जू),मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष अग्रवाल (शैलू),महामंत्री राजू देवांगन, नीरज जिंदिया (बंटी) सहित अनेक पार्षद और कार्यकर्ता शामिल थे। मंदिर के पुजारी रामस्वयंवर जी की उपस्थिति भी कार्यक्रम को सामाजिक आयाम देती दिखी,कुल मिलाकर यह अभियान स्वच्छता, जनसंपर्क और योजनाओं के प्रचार-प्रसार का मिश्रण नजर आया, जिसमें राजनीतिक सक्रियता के साथ सामाजिक संदेश देने की भी कोशिश की गई।

नौकरी के नाम पर ठगी से लेकर साइबर गिरोह तक

सूरजपुर पुलिस के शिकंजे में आरोपी

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है, यह मामला न सिर्फ नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी से जुड़ा है, बल्कि संगठित साइबर अपराध नेटवर्क से भी इसके तार जुड़े पाए गए हैं। यह मामला एक बार फिर साबित करता है कि छोटे स्तर की ठगी के पीछे भी बड़े साइबर नेटवर्क सक्रिय हो सकते हैं,नौकरी के नाम पर ठगी और बैंक खातों का दुरुपयोग–दोनों मिलकर आम नागरिकों के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं,पुलिस की यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देखी जा रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर की ठगी

प्रार्थी विजय प्रताप, निवासी ग्राम दवना, ने 29 अक्टूबर 2025 को थाना सूरजपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार आरोपी भूपेन्द्र विश्वकर्मा ने एसईसीएल में नौकरी लगाने का झांसा देकर,विजय प्रताप से 20 हजार रुपये, उसके रिश्तेदार रतन सिंह से 35 हजार रुपये,इस प्रकार कुल 55 हजार रुपये ठग लिए। जब नौकरी नहीं लगी और पैसे वापस मांगे गए, तो आरोपी टालमटोल करने लगा, इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 भादसं के तहत अपराध दर्ज किया।

साइबर फ्रॉड से जुड़े मिले तार

मामले की जांच के दौरान भारतीय सायबर अपराध समन्वय केन्द्र के पोर्टल से प्राप्त जानकारी में सामने आया कि आरोपी का बैंक खाता साइबर फ्रॉड में उपयोग किया जा रहा था, आईडीबीआई बैंक में आरोपी के नाम से संचालित खाते को म्यूल अकाउंट के रूप में चिन्हित किया गया था। इसके आधार पर आरोपी के खिलाफ एक अन्य अपराध दर्ज किया गया, जिसमें बीएनएस की विभिन्न धाराएं शामिल हैं।

77 लाख से अधिक का संदिग्ध ट्रांजेक्शन

विवेचना के दौरान आरोपी के बैंक खाते में 77 लाख 84 हजार रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ,इससे यह संकेत मिला कि आरोपी केवल स्थानीय ठगी ही नहीं,बल्कि बड़े साइबर फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा था।

पुलिस ने तकनीक और मुखबिर से पकड़ा आरोपी

प्रशांत कुमार ठाकुर (डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर) के निर्देश पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की, थाना सूरजपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना, तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दबिश देकर आरोपी भूपेन्द्र विश्वकर्मा (उम्र 40 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपी मूलतः ग्राम रूनियाडीह (चौकी करंजी) का निवासी है और वर्तमान में नावापारा, सूरजपुर में रह रहा था।

10 अप्रैल 2026 को हुई गिरफ्तारी

दोनों मामलों में आरोपी को दिनांक 10 अप्रैल 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विवेचना जारी है।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी विमलेश दुबे,एएसआई देवनाथ चौधरी, आरक्षक रविराज पाण्डेय, बृजलाल एवं नरेश टोप्पो की सक्रिय भूमिका रही।

खाता और सिम बेचकर करता था कमाई

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने,अपना बैंक खाता, एटीएम और सिम कार्ड, साइबर फ्रॉड गिरोह के एक सदस्य को 5 हजार रुपये में दिया, इसके एवज में वह हर महीने 5 हजार रुपये प्राप्त करता था। इस तरह आरोपी अवैध तरीके से आर्थिक लाभ अर्जित कर रहा था।

सूरजपुर में दोहरे अपराध का खुलासा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रंजीता बौरी आ0 रजत कुमार बौरी जाति, निवासी पुलिस लाईन के समीप, रामानुजगंज रोड बौरीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - देवीगंज रोड, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1165/15 रकबा 140 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजत कुमार बौरी आ0 कृष्ण मोहन बौरी जाति, निवासी पुलिस लाईन के समीप, रामानुजगंज रोड बौरीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - पाण्डेयपुरा, देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1801/4836/52, 1801/4836 / 53, 1165 ब रकबा $0.06^{1/2}$, $0.16^{1/2}$, 252 एकड़, वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 17-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 01/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0-/अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जुगलाल राजवाडे आ. कौलेश्वर, निवासी ग्राम रनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम रनपुरकला स्थित खसरा नंबर 3/10, 5/2, 5/6, 45/3, 61/2, 98, 137/8, 220, 221/1, 222/1, 242/1, 250, 314/8, 586/23 कुल खसरा नंबर 14 कुल रकबा 3.962 हे. भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/6 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 11/05/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक- 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर (छ.ग.)

प्ररूप- चार
[नियम 5 (1) देखें]
सूचना

[छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा 5 (2) (1951 का 30) और छत्तीसगढ़ लोक न्यास, नियम 1962 के नियम 5 (1) के द्वारा]

लोक न्यासों के पंजीयक अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर के समक्ष जबकि श्री भोला प्रसाद अग्रवाल आ. श्री हरफुल मल अग्रवाल, वार्ड नं. 12. नेहरू पार्क रोड पो. थाना एवं तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने छत्तीसगढ़ लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा 4 के अंतर्गत अनुसूची में विनिर्दिष्ट सम्पत्ति के लिये एक आवेदन लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किये जाने के लिए किया गया है, एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त आवेदन 2026 के दिनांक 30/04/2026... पर में द्वारा न्यायालय में विचारण में लिया जाएगा।

अतः मैं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं पंजीयक लोक न्यास सूरजपुर, जिला सूरजपुर लोक न्यासों का रजिस्ट्रार, अपने न्यायालय में दिनांक 30/04/2026 को उक्त अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (1) के द्वारा आपेक्षित जांच करने की प्रस्थापना करती हूं।

किसी आपत्ति (या सुझाव) को करने का आशय रखते हुए उक्त न्यास या संपत्ति के मामले में हित रखने वाले किसी भी व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से पन्द्रह दिवस के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करना चाहिए और मेरे समझ उपरोक्त तारीख पर या तो व्यक्तिगत, अथवा वकील द्वारा या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होना चाहिए। उपरोक्त अवधि के अवसान के उपरांत प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम और पता तथा संपत्ति का विवरण)

''लोक न्यास गायत्री परिवार ट्रस्ट सूरजपुर '' गायत्री मंदिर, यज्ञशाला, प्रखल प्रज्ञा - सजल श्रद्धा परिसर स्वयंसेवक आवास, ग्राम तिलसिवां, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 2/35 रकबा 21.1690 हे. के एक भाग पर कई वर्षों पूर्व से निर्मित है।

दिनांक- 07/04/2026

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं पंजीयक लोक न्यास सूरजपुर जिला सूरजपुर, छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)धौरपुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

आवेदकगण क्रमशः बालकिशुन आ0 गणेश जाति चिकवा उम्र - 51 वर्ष, एवं धनेश्वरी बेवा गणेश उम्र- 72 वर्ष, दोनों निवासी- ग्राम करौंधा तहसील लुण्ड्रा जिला- सरगुजा छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 226,220/1,260/1, 279/1,280 एवं 252, 258/1 रकबा क्रमशः 0.206, 0.306, 0.1880, 0714, 0.275, 0.045, 0.321,0.206,0.024 ग्राम करौंधा में स्थित है। आवेदक के पिता गणेश आ0 काशी की मृत्यु के उपरांत आवेदकगण का नाम नामांतरित किया गया किन्तु उपर वर्णित भूमि को आनलाईन राजस्व अभिलेखों में अंकित नहीं किया जा सकता जबकि ऋण पुस्तिका क्रमांक 0333694 में उक्त भूमि आवेदकगण के पिता गणेश के नाम पर दर्ज था। उक्त त्रुटि हल्का पटवारी की त्रुटि है, जिसे न्यायहित में सुधार करते हुए अन्य भूमि के साथ उक्त भूमि आनलाईन राजस्व अभिलेखों में अंकित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। अन्यथा आवेदकगणों को अपूर्णीय क्षति होगी। आवेदकगण के द्वारा उक्त भूमि को ऑनलाईन राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने का आदेश पारित करने का निवेदन इस न्यायालय से किया गया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 16/04/2626 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर 2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नवीन नितिन केरकेट्टा आ0 फिलिप केरकेट्टा, निवासी ग्राम भगवानपरुखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम भगवानपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 76 / 12 रकबा 0.02 आरे भूमि आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त भूमि का व्यपवर्तन भी कराया गया है, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि त्रुटिवश अनावेदिका अंजलि पन्ना पिता दानियल पन्ना के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में से अनावेदिका का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/05/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02

अवैध बोर खनन बना खतरा, एमसीबी में समय से पहले मंडराया जल संकट

गर्मी की शुरुआत में ही बिगड़ने लगे हालात

जिले के विभिन्न हिस्सों से मिल रही जानकारी के अनुसार इस वर्ष जलस्तर में गिरावट सामान्य से पहले ही शुरू हो गई है। जहां पहले गर्मी के मध्य या अंत में जल संकट के हालात बनते थे,वहीं इस बार अप्रैल में ही पानी की कमी साफ दिखाई देने लगी है, कई गांवों में हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला गया है और पानी भरने में अधिक समय लग रहा है, कुएं भी धीरे-धीरे सूखने की स्थिति में पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

कहां-कहां हो रहा अवैध बोर खनन

जिले के कई ग्रामीण और शहरी इलाकों में बिना अनुमति के बोर खनन का कार्य तेजी से जारी है,स्थानीय लोगों के अनुसार बोरिंग मशीनों के जरिए गहराई तक बोर किए जा रहे हैं, रात के समय भी कई स्थानों पर बोरिंग मशीनें चलती देखी जा रही हैं,जिससे यह स्पष्ट होता है कि नियमों को नजरअंदाज कर अवैध रूप से यह काम किया जा रहा है, निजी उपयोग के लिए लगातार नए बोर करवाए जा रहे हैं, जिससे भू-जल पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

कितना गिरा जलस्तर,क्या कह रहे ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है,जहां पहले कम गहराई में पानी उपलब्ध हो जाता था, अब वहां अधिक गहराई तक बोर करना पड़ रहा है,कई हैंडपंपों में पानी का दबाव कम हो गया है और कुछ स्थानों पर पानी आना लगभग बंद होने की स्थिति में है,यदि यही स्थिति बनी रही, तो मई और जून के महीनों में पानी की गंभीर समस्या खड़ी हो सकती है।

-रवि सिंह-

एमसीबी/ खड़गवां,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में गर्मी की शुरुआत के साथ ही जल संकट के संकेत तेजी से उभरने लगे हैं,अभी अप्रैल का महीना चल रहा है और गर्मी अपने चरम पर भी नहीं पहुंची है,लेकिन इसके बावजूद कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है,हैंडपंपों से पानी कम निकल रहा है, कुओं का जल स्तर घटता जा रहा है और कई स्थानों पर लोगों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच जिले में अवैध बोर खनन की बढ़ती गतिविधियां स्थिति को और अधिक गंभीर बना रही हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह साफ है कि जल संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है,प्रशासन और आम जनता दोनों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा, यदि समय रहते सख्त कदम उठाए गए तो स्थिति को संभाला जा सकता है, अन्यथा आने वाले समय में एमसीबी जिले के लिए जल संकट एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

भू-जल का अंधाधुंध दोहन बना बड़ी चिंता

विशेषज्ञों के अनुसार अनियंत्रित बोर खनन और बढ़ते तापमान के कारण भू-जल का अत्यधिक दोहन हो रहा है, बार-बार गहरे बोर करने से जमीन के अंदर का जल स्तर तेजी से नीचे चला जाता है, जिससे प्राकृतिक जल संतुलन प्रभावित होता है, भू-जल का पुनर्भरण पर्याप्त नहीं हो पा रहा है,जिससे आने वाले समय में जल संकट और गहरा सकता है, इसका असर न केवल पेयजल पर बल्कि खेती-किसानी पर भी पड़ेगा।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बढ़ती परेशानी

जिले के कई गांवों में लोगों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है,सुबह और शाम के समय हैंडपंपों पर भीड़ लग रही है और पानी भरने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है,महिलाओं और बच्चों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है,जिन्हें रोजाना पानी लाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ रही है, शहरी क्षेत्रों में भी स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती नजर आ रही है,जहां पानी की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ रही है।

प्रशासन की भूमिका पर उठ रहे सवाल

इस पूरे मामले में प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं, लोगों का कहना है कि अवैध बोर खनन पर निगरानी क्यों नहीं हो रही, बिना अनुमति चल रही बोरिंग मशीनों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही, जलस्तर गिरने से रोकने के लिए क्या ठोस योजना बनाई गई है, स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभागों की लापरवाही के कारण ही अवैध गतिविधियां बढ़ रही हैं।

क्या हो सकते हैं समाधान

जल संकट से बचने के लिए विशेषज्ञों ने कई उपाय सुझाए हैं, सबसे पहले अवैध बोर खनन पर सख्त कार्रवाई जरूरी है, नए बोर के लिए अनुमति प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए,वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा ताकि भू-जल का पुनर्भरण हो सके, इसके अलावा जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना भी बेहद आवश्यक है, सरकार और प्रशासन को मिलकर दीर्घकालिक योजना बनानी होगी ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या से बचा जा सके।

समय रहते नहीं हुई कार्रवाई तो संकट तय

एमसीबी जिले में जलस्तर गिरने और अवैध बोर खनन की स्थिति एक गंभीर चेतावनी है,यदि अभी भी इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में जिले को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ सकता है,पेयजल की कमी से लोगों का जीवन प्रभावित होगा और कृषि व्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ेगा।

बैकुंठपुर में हुआ था चुनाव

लॉटरी से बनी अध्यक्षता पर हाईकोर्ट की मुहर,अपील खारिज

-संवाददाता-

कोरिया,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के मुख्यालय बैकुंठपुर की नगर पालिका परिषद का आम चुनाव दिसंबर 2021 में संपन्न हुआ था,इसके बाद दिनांक 01 जनवरी 2022 को अध्यक्ष पद का चुनाव चुनाव अधिकारी के निर्देशानुसार कराया गया, लंबे समय तक चले इस विवाद के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि अध्यक्ष पद का चुनाव पूर्ण सहमति एवं विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ था।

समान मत मिलने पर लॉटरी से हुआ निर्णय

अध्यक्ष पद के चुनाव में दोनों अभ्यर्थियों नविता शैलेश शिवहरे एवं साधना जायसवाल को समान मत प्राप्त हुए, ऐसी स्थिति में दोनों अभ्यर्थियों तथा सभी पार्षदों की सहमति से लॉटरी प्रक्रिया अपनाई गई, जिसमें नविता शिवहरे को निर्वाचित अध्यक्ष घोषित किया गया।

हाईकोर्ट में की गई अपील

जिला न्यायालय के निर्णय के विरुद्ध साधना जायसवाल द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में अपील (सीआर नंबर. 149/2025) प्रस्तुत की गई, इस मामले में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्क सुनने के बाद 23 फरवरी 2026 को निर्णय सुरक्षित रख लिया गया।

जिला न्यायालय में दायर की गई याचिका-

लॉटरी प्रक्रिया में सहमति और हस्ताक्षर देने के बावजूद पराजित अभ्यर्थी साधना जायसवाल ने जिला न्यायालय बैकुंठपुर में चुनाव याचिका प्रस्तुत की, इस मामले में लगभग तीन वर्षों तक सुनवाई चली,जिसमें मत पेटी का निरीक्षण एवं दोनों पक्षों के साक्ष्यों का परीक्षण किया गया।

जिला न्यायालय ने याचिका की खारिज

सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा दिनांक 07 मई 2025 को साधना जायसवाल की चुनाव याचिका खारिज कर दी गई।

हाईकोर्ट ने अपील की निरस्त

दिनांक 10 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने अपना निर्णय सुनाते हुए जिला न्यायालय के फैसले को यथावत रखते हुए अपील को निरस्त कर दिया।

न्यायपालिका पर बढ़ा भरोसा

इस निर्णय को प्रशंसनीय एवं स्वागतयोग्य बताया जा रहा है,इससे आमजन में न्यायालय की निष्पक्षता एवं न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

अधिवक्ताओं ने की प्रभावी पैरवी

इस प्रकरण में वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष गुप्ता तथा उच्च न्यायालय बिलासपुर में अधिवक्ता चंद्रेश श्रीवास्तव एवं शशांक गुप्ता द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

छोटी उम्र,बड़ा विज़न : बैकुंठपुर के युवा राहुल खस की पहल पर लॉजिस्टिक पार्क की मांग

केंद्रीय मंत्री ने सीएम को लिखा पत्र

रोजगार और विकास की दिशा में बड़ा कदम, जिले की संभावनाओं के परीक्षण के निर्देश

-संवाददाता-

कोरिया,11 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर से एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां एक युवा की सोच अब सरकारी स्तर तक पहुंचकर ठोस प्रक्रिया का रूप लेती नजर आ रही है,बैकुंठपुर निवासी राहुल खस ने जिले के विकास और रोजगार सृजन को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना की मांग रखी, इस पहल को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जिले में लॉजिस्टिक पार्क की संभावनाओं के परीक्षण और सत्यापन के निर्देश दिए हैं,एक युवा द्वारा उठाई गई यह पहल अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गई है और इसे विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। बैकुंठपुर के युवा राहुल खस की यह पहल अब एक संभावित विकास परियोजना का रूप ले चुकी है,केंद्रीय स्तर पर संज्ञान और मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र ने इस मांग को और मजबूती दी है, अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि संभावनाओं के परीक्षण के बाद सरकार इस दिशा में क्या निर्णय लेती है,यदि यह परियोजना साकार होती है, तो यह न केवल कोरिया जिले के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए आर्थिक परिवर्तन का एक बड़ा आधार बन सकती है और इसकी शुरुआत एक युवा की सोच से हुई है।

राजनीतिक और सामाजिक संदेश

यह पहल केवल एक विकास प्रस्ताव नहीं,बल्कि एक बड़ा संदेश भी है कि युवा यदि ठान लें, तो वे नीति निर्माण के स्तर तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं, यह घटना अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकती है कि वे अपने क्षेत्र के विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

युवा की पहल बनी विकास की चर्चा

बैकुंठपुर के युवा राहुल खस ने यह साबित कर दिया कि विकास की सोच उम्र की मोहताज नहीं होती,भारतीय जनता पार्टी से जुड़े राहुल खस ने जिले के दीर्घकालिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए एक ठोस प्रस्ताव तैयार किया और सीधे केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर इसे प्रस्तुत किया,उनकी मांग थी कि कोरिया जिले में एक लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना की जाए,जिससे न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

केंद्रीय स्तर पर मिला संज्ञान

राहुल खस की इस पहल को नजरअंदाज नहीं किया गया, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस प्रस्ताव को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निर्देश दिए कि कोरिया जिले में लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना की संभावनाओं का परीक्षण किया जाए, यह कदम इस बात का संकेत है कि यदि प्रस्ताव व्यावहारिक और उपयोगी पाया जाता है, तो आने वाले समय में इस दिशा में ठोस निर्णय लिए जा सकते हैं।

क्या होता है लॉजिस्टिक पार्क?

लॉजिस्टिक पार्क एक आधुनिक औद्योगिक ढांचा होता है, जहां माल के भंडारण,पैकेजिंग, लोडिंग-अनलोडिंग और वितरण की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होती हैं, यह आमतौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे नेटवर्क या हवाई अड्डों के पास स्थापित किए जाते हैं, जिससे माल परिवहन तेज, सस्ता और अधिक व्यवस्थित हो जाता है,ऐसे पार्क न केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार भी उत्पन्न करते हैं।

कोरिया जिले के लिए क्यों महत्वपूर्ण है यह प्रस्ताव?

कोरिया जिला भौगोलिक दृष्टि से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, बैकुंठपुर प्रमुख सड़कों से जुड़ा हुआ है और पड़ोसी राज्यों से इसका सीधा संपर्क है,यदि यहां लॉजिस्टिक पार्क स्थापित होता है, तो यह क्षेत्र व्यापारिक हब के रूप में विकसित हो सकता है,इससे परिवहन लागत में कमी आएगी, स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, छोटे और मध्यम उद्योगों को नई गति मिलेगी, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

रोजगार और अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभाव

विशेषज्ञों के अनुसार, लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिल सकता है, वेयरहाउसिंग, ट्रांसपोर्टेशन, पैकेजिंग, सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर खुलेंगे, इसके अलावा स्थानीय व्यवसायों जैसे होटल,ढाबे, सर्विस सेक्टर को भी फायदा मिलेगा,इससे जिले की अर्थव्यवस्था में एक सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है।

स्थानीय स्तर पर मिल रही सराहना

राहुल खस की इस पहल की जिलेभर में सराहना हो रही है, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जहां अधिकांश लोग केवल समस्याओं की चर्चा करते हैं, वहीं इस युवा ने समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाया है, लोगों का मानना है कि यदि इस तरह की सोच और पहल आगे भी जारी रही, तो जिले का विकास निश्चित रूप से तेज होगा।

CMYK

वरुण धवन की फिल्म की फिर बदलेगी रिलीज डेट?

है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज पर फंसा कांटा

वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट में बदलाव की खबरें हैं। पहले 12 जून को ये फिल्म रिलीज होने वाली थी। मेकर्स गर्मी की छुट्टियों और कम कॉम्पटीशन का फायदा उठाना चाहते हैं।

वरुण धवन ने बॉर्डर 2 की सफलता के साथ 2026 की शानदार शुरुआत की। अब एक्टर बहुत जल्द अपने जाने पहचाने जॉनर है जवानी तो इश्क होना है के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने वाले हैं।

इस फिल्म में वे तीसरी बार अपने पिता डेविड धवन के साथ काम कर रहे हैं। ये फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब लग रहा है मेकर्स ने कुछ और ही प्लान बना लिया है। खबर है कि है जवानी तो इश्क होना है को प्रीपोन किया जा सकता है।

क्या है फिल्म की नई रिलीज डेट?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स अब इसे 22 मई को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। वहीं मई के सेकेंड हॉफ में कॉम्पटीशन भी कम होगा और गर्मियों की छुट्टी भी रहेगी इस तरह एक बड़ी ऑडियंस को अट्रैक्ट करना आसान हो जाएगा।

जल्द ही इसकी ऑफिशियल घोषणा की जाएगी जब मेकर्स फाइनल डेट की अनाउंसमेंट करेंगे। है जवानी तो इश्क होना है में पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी हैं। इसका निर्माण टिप्स के रमेश तौरानी ने किया है। कुछ दिन पहले ही यह घोषणा की गई थी कि टिप्स इस फिल्म के साथ डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में फिर से प्रवेश करेगी।

पहले भी दो बार बदल चुकी है डेट

दिलचस्प बात यह है कि है जवानी तो इश्क होना है पहले 5 जून को रिलीज होने वाली थी। टॉक्सिक की रिलीज डेट 4 जून तक आगे बढ़ने के बाद, इसकी रिलीज डेट बदलकर 12 जून कर दी गई थी। डेविड धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म की रिलीज डेट में यह दूसरी बार बदलाव होगा। अगर है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट 22 मई होती है, तो यह दिलजीत दोसांझ, शारवरी और वेदांग रैना अभिनीत इम्तियाज अली की मैं वापस आउंगा के साथ क्लैश को भी टाल देगी।

66 साल का एक्टर है बॉलीवुड का इकलौता 4 हजार करोड़ी फिल्म अभिनेता,

शाहरूख-रणबीर और साउथ स्टार्स को छोड़ा पीछे

क्या आप जानते हैं बॉलीवुड का इकलौता 4 हजार करोड़ी फिल्म अभिनेता कौन है?

अगर आप ये मान रहे हैं कि रणबीर कपूर बॉलीवुड के पहले एक ऐसे अभिनेता हैं जो किसी 4 हजार करोड़ी फिल्म में नजर आ रहे हैं, तो आप गलत हैं। क्योंकि उनसे पहले बॉलीवुड का एक अभिनेता पहले ही 4 हजार करोड़ी फिल्म एक्टर बन चुका है। ये एक्टर 1 हजार करोड़ की 4 फिल्मों में नजर आया है और इसीलिए यह बॉलीवुड का एकमात्र 4000 करोड़ी अभिनेता है। एक्टर 66 साल के हैं लेकिन इनकी पर्सनैलिटी के लोग आज भी कायल हैं और स्क्रीन पर इनके खास अंदाज को बहुत पसंद करते हैं।

कौन है ये एक्टर?

हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं वह कोई और नहीं बल्कि संजय दत्त हैं। जी हां संजय दत्त पिछले कुछ सालों से बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं जिनमें से 4 ऐसी फिल्में थीं जो 1000 करोड़ी रही हैं। ये चार फिल्में यहां हैं-

सुपरस्टार्स को छोड़ा पीछे

66 साल के एक्टर ने इस रिकॉर्ड से भारतीय सिनेमा में एक अलग और ऊंचा मुकाम हासिल किया है। इसी के साथ वे शाह रुख खान, रणवीर सिंह, अल्लू अर्जुन, प्रभास, यश सभी सुपरस्टार अभिनेता से आगे हैं।

धुरंधर में परफॉर्मेंस से जीता दर्शकों का दिल

संजय दत्त इस वक्त धुरंधर 2 में नजर आ रहे हैं, फिल्म में उन्होंने चौधरी असलम का किरदार निभाया है। फिल्म में उनके स्वैग और स्टाइल की सब तारीफ कर रहे हैं। धुरंधर 2 में रणवीर सिंह ने लीड रोल प्ले किया है वहीं आर माधवन, राकेश बेदी,सारा अर्जुन जैसे कलाकार फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

45 की उम्र में नई हीरोइनों को टक्कर देने आ रही रणबीर कपूर की बहन

कपिल शर्मा के साथ होगा डेब्यू

रणबीर कपूर की बहन 45 की उम्र में बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वे कपिल शर्मा के साथ डेब्यू करेंगी। रणबीर कपूर तो बॉलीवुड में तहलका मचा ही रहे हैं और अब उनकी बहन रिद्धिमा कपूर साहनी भी बड़े पर्दे पर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार है। इतना ही नहीं वे कॉमेडी किंग कपिल शर्मा और अपनी मां नीतू कपूर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

इस फिल्म से करने जा रहीं डेब्यू

रिद्धिमा जिस फिल्म से डेब्यू करने जा रही हैं वह है दादी की शादी, जिसका ट्रेलर 10 अप्रैल को रिलीज हुआ, जिसमें एक ऐसे पारिवारिक मनोरंजन की झलक मिलती है जो कॉमेडी, ड्रामा और दिल को छू लेने वाले पलों से भरा है। यह फिल्म हंसी और भावनाओं का एक दिलचस्प मेल है, जो पारिवारिक जीवन के आपसी रिश्तों पर आधारित है।फिल्म के पोस्टर में कई रंगीन चेहरे नजर आते हैं, जिनमें नीतू कपूर, कपिल शर्मा, रिद्धिमा कपूर साहनी और सादिया खतीब के साथ-साथ अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

रिलीज डेट का हुआ ऐलान

फिल्म के मेकर्स ने इसका पहला पोस्टर रिलीज किया, जिसमें फिल्म के अनोखे टाइटल और इसकी रिलीज डेट 8 मई, 2026 का ऐलान किया गया है। दादी की शादी में विरासत, कॉमेडी और पारिवारिक भावनाओं को दिखाया गया है। यह आने वाली फिल्म रिश्तों, उथल-पुथल, रहस्यों और बिना शर्त प्यार जैसे विषयों को दर्शाती है।

नीतू कपूर का वर्कफ्रंट

नीतू कपूर की आखिरी नाटकीय रिलीज 2022 फैमिली-ड्रामा जुगजुग जीयो थी, जिसमें उनके साथ अनिल कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी, मनीष पॉल और प्राजक्ता कोली थे।

रिद्धिमा का वर्कफ्रंट

दादी की शादी में अपनी शुरुआत से पहले, रिद्धिमा ने नेटफ्लिक्स रियलिटी शो फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स (2024) में अभिनय किया था। जिसमें महीप कपूर, भावना पांडे, सीमा सजदेह, नीलम कोठारी, कल्याणी साहा चावला, शालिनी पासी और अन्य ने काम किया था।। यह सीरीज इन सेलिब्रिटीज की निजी जिंदगी पर आधारित है।

24 साल पहले आया वो गाना...लिरिक्स सुन घूमा था सेंसर बोर्ड का दिमाग

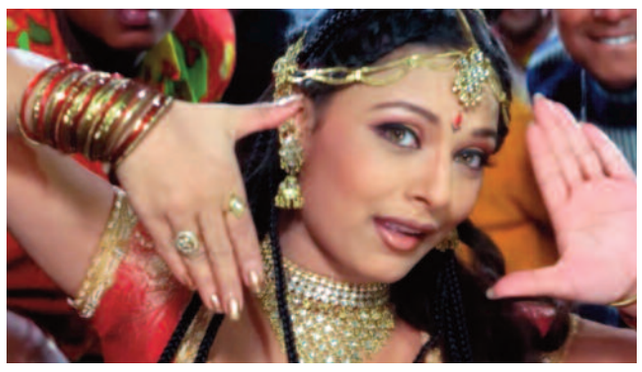

रानी-काजोल की बहन का दिखा था बोल्ड डांस

24 साल पहले रानी मुखर्जी और काजोल की बहन का एक ऐसा आइटम सॉन्ग रिलीज हुआ था, जिसने तहलका मचाने के साथ-साथ काफी विवाद भी खड़ा किया था। कौन सा वह गाना जिसके खिलाफ सेंसर बोर्ड ने अपनाया था कड़ा रुख

बॉलीवुड फिल्मों में आइटम सॉन्ग हमेशा तड़के और मसाले का काम करते हैं। अक्सर इनका फिल्म की मुख्य कहानी से कोई लेना-देना नहीं होता, लेकिन अगर फिल्म में कोई ऐसा एनर्जेटिक गाना हो, तो बोरियत भरे माहौल में भी बहार आ जाती है।

काजोल और रानी मुखर्जी की चचेरी बहन के 24 साल पहले आए एक ऐसे ही आइटम सॉन्ग ने सिर्फ तहलका ही नहीं मचाया था, बल्कि इसके लिरिक्स पर खूब विवाद भी गरमाया था और सेंसर बोर्ड की कैंची भी चली थी। आज हम आपको अपनी आइटम सॉन्ग सीरीज में उसी विवादित और सुपरहिट गाने के बारे में डिटेल में बता रहे हैं।

24 साल पहले इस गाने पर मचा था बवाल

हम जिस लोकप्रिय आइटम सॉन्ग के बारे में बात कर रहे हैं, वह 24 साल पहले साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म %अंश- द डेडली पार्ट% में फिल्माया गया था। यह क्राइम थ्रिलर फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई थी, लेकिन इसका आइटम सॉन्ग ÷जो बीच बजरिया तूने मेरी पकड़ी बैयां...÷ जबरदस्त हिट हुआ था। इस धांसू आइटम सॉन्ग में रानी मुखर्जी और काजोल की कजिन सिस्टर शर्बानी मुखर्जी नजर आई थीं। शर्बानी इससे पहले 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म %बॉर्डर% में सुनील शेट्टी की पत्नी फूलकंवर का मासूम किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हो चुकी थीं। 24 साल पहले उनका यह बोल्ड आइटम सॉन्ग चार्टबस्टर तो हुआ, लेकिन सफलता के साथ-साथ काफी विवाद भी लेकर आया।

अश्लील बोल से लेकर शर्बानी के कपड़ों पर छिड़ा था विवाद

जो बीच बजरिया तूने गाने के लिरिक्स में काफी डबल मीनिंग शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जो उस समय के दर्शकों के हिसाब से काफी बोल्ड थे। कई लोगों ने इसके लिरिक्स की कड़ी आलोचना करते हुए बोल को अश्लील बताया था। सिर्फ लिरिक्स पर ही नहीं, बल्कि गाने में शर्बानी मुखर्जी के रिवीलिंग लहंगा-चोली और बोल्ड डांस मूव्स पर भी काफी बहस छिड़ी थी। फिल्म अंश में कुछ बोल्ड दृश्यों और इस गाने के विवादित लिरिक्स की वजह से ही इसे सेंसर बोर्ड द्वारा ए (एडल्ट) सर्टिफिकेट मिला था। इतना ही नहीं, मूवी पर सेंसर बोर्ड की काफी कैंची भी चली थी। दरअसल, उस दौर में आइटम सॉन्ग्स को लेकर सेंसर बोर्ड काफी सख्त था और बोर्ड ने इस गाने के विजुअल्स को बहुत ही सेंसुअल करार दिया था।

सपना अवस्थी और समीर ने गाने को बनाया था सुपरहिट

शर्बानी मुखर्जी पर फिल्माए गए इस बोल्ड आइटम सॉन्ग को मशहूर सिंगर सपना अवस्थी ने अपनी दमदार आवाज दी थी, जो छैया-छैया, यूपी बिहार लूटने, परदेसी परदेसी और निम्बूडा जैसे कई लोकप्रिय गाने गा चुकी हैं। इस गाने का संगीत नदीम-श्रवण की हिट जोड़ी ने दिया था। इसके कैची बोल गीतकार समीर ने लिखे थे। यह गाना आज भी लोगों के बीच इतना लोकप्रिय है कि यूट्यूब पर इसे अब तक 53.8 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

अंशः- द डेडली पार्ट की शानदार स्टारकास्ट

अगर अंशः- द डेडली पार्ट की स्टारकास्ट की बात करें, तो इस फिल्म में साउथ स्टार अब्बास ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके अलावा फिल्म में आशुतोष राणा, ओम पुरी, शर्बानी मुखर्जी, शमा सिकंदर, आशीष विद्यार्थी, सयाजी शिंदे, मिलिंद गुनाजी, आलोक नाथ, रवि किशन और इशरत अली जैसे कई दिग्गज कलाकार नजर आए थे।

शर्बानी मुखर्जी का फिल्मी सफर

साल 1997 में जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर से अपना शानदार डेब्यू करने वालीं शर्बानी मुखर्जी ने अंश के साथ-साथ कैसे कहूं कि प्यार है, आंच, धरती कहे पुकार के और मोहनदास जैसी कई हिंदी फिल्मों में काम किया। उनकी आखिरी फिल्म साल 2015 के आसपास रिलीज हुई थी, जिसका टाइटल नमक्कोरे आकाशम था, जिसके बाद वह बड़े पर्दे से दूर हो गईं।

खेल समाचार

जोसेफ सनी के ब्रेस की मदद से एससी दिल्ली ने गुवाहाटी आईएसएल मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 3-0 से हराया

गुवाहाटी,11 अप्रैल 2026। जोसेफ सनी की लीडरशिप में दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन की मदद से एससी दिल्ली ने गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग 2025-26 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी पर 3-0 से शानदार जीत हासिल की। यह जीत स्ट दिल्ली की इस सीज़न की लगातार दूसरी जीत है, जिससे वे आठ पॉइंट्स के साथ स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी छह पॉइंट्स के साथ दसवें स्थान पर खिसक गया। जोसेफ सनी को उनके अहम दो गोल के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने अपनी टीम में दो बदलाव किए, डिफेंस में कप्तान मिगुएल ज़बाको को वापस लाया और अटैक में अंकित पी को शामिल किया। सस्पेंडेड हेड कोच टॉमस त्चोर्ज़ की गैरमौजूदगी में असिस्टेंट कोच नोएल जोसेफ के अंडर एससी दिल्ली ने एक बदलाव किया, और पैराग्वे के स्ट्राइकर जूलियो रिवस को शुरुआत दी। मुकाबला तेज़ रफ़्तार से शुरू हुआ, जिसमें नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने शुरू में ही दबाव बनाया। जितिन एमएस ने पहले मिनट में ही नोरा फर्नांडिस को परखा, जबकि बेकी ओरम के कर्लिंग क्रॉस ने गोलकीपर को लगभग चौंका दिया, जिससे तेज़ी से दखल देना पड़ा। एससी दिल्ली ने भी अपनी कोशिशों से जवाब दिया, जिसमें मोहम्मद ऐमेन और देवेंद्र मुरगाओकर दोनों ने दूर से अपनी किस्मत आज़माई।

दोनों तरफ़ से अच्छे बिल्ड-अप प्ले के बावजूद, कोई भी टीम आखिरी तीसरे हिस्से में बढ़त हासिल नहीं कर पाई। जितिन हाइलैंडर्स के लिए लगातार खतरा बने रहे, जबकि स्ट दिल्ली का डिफेंस, जिसे एलेक्स साजी ने संभाला था, मज़बूत रहा। पहला हाफ़ काफ़ी मुश्किल रहा, जिसमें हाइलैंडर्स के डिफेंडर दिनेश सिंह के आखिरी मौके पर किए गए एक अहम चैलेंज ने ऐमेन को क्रॉस करने का मौका नहीं दिया, और टीमें ब्रेक तक 0-0 से बराबर रहीं। हाफ़ रीस्टार्ट के बाद रफ़्तार बढ़ गई, और दोनों टीमों ने ज़्यादा अटैकिंग इरादा दिखाया। हाफ़-टाइम में आए जाइरो सैम्पेरियो ने दूर से फर्नांडिस को परखा, जबकि ऐमेन बॉक्स में तेज़ी से दौड़कर दूसरे छोर पर करीब आ गए।

65वें मिनट में एससी दिल्ली के एक अच्छे मूव से गोल हुआ। एमन के विज़न ने जोसेफ सनी को एकदम सही टाइम पर थ्रू बॉल देकर मेज़बान टीम के डिफेंस को तोड़ दिया। विंगर ने अपना संयम बनाए रखते हुए दूर कोने में एक सटीक फिनिश किया, जिससे मेहमान टीम 1-0 से आगे हो गई। एससी दिल्ली ने सिर्फ़ चार मिनट बाद ही अपने शानदार खेल से अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मिडफील्डर अब्दुल-हालिक हुडू ने डीप से एक ऊंचे पास के साथ मूव शुरू किया,और सनी ने अपनी दौड़ को एकदम सही टाइम पर पूरा किया, बॉल को अपने मार्कर दिनेश के पास से कंट्रोल करते हुए आगे बढ़ रहे गुरमीत सिंह के ऊपर से एक शांत फिनिश लेकर स्कोर 2-0 कर दिया।

मेहमान टीम का दबदबा बना रहा, और 73वें मिनट में लगभग तीसरा गोल भी कर ही रहे थे जब सनी ने प्रोवाइडर बनकर सौरव के को सेट किया, जिनके दमदार स्ट्राइक को गुरमीत ने रोक दिया। तीसरा गोल 80वें मिनट में एक आसान टीम मूव के बाद हुआ। ओस्मान फाने मिडफील्ड से आगे बढ़े और फिर सनी के साथ मिलकर एमन को बॉल दी। फॉरवर्ड ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, डिफेंडरों को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में दाहिने पैर से ज़ोरदार शॉट मारकर नतीजा पक्का कर दिया।

आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-1 को रौंद दिया

भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैंडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं...सेमीफाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत विटिडसर्न को तीन गेम में हराया...

निंगबो,11 अप्रैल 2026। भारत के स्टार युवा शटलर आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने चीन के निंगबो स्थित निंगबो ओलंपिक खेल केंद्र में खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 कुनलावुत विटिडसर्न को 10-21, 21-19, 21-17 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। करीब एक घंटे 15 मिनट तक चले इस मुकाबले में 25वीं रैंक के आयुष ने जबरदस्त जज्बा दिखाया।

विटिडसर्न ओलंपिक के मेडलिस्ट भी

पहला गेम गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। दूसरे और तीसरे गेम में उन्होंने धैर्य, आक्रामक खेल और नेट पर बेहतरीन नियंत्रण के दम पर मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया। थाईलैंड के विटिडसर्न पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक विजेता रहे हैं। इसलिए उनके खिलाफ मिली जीत आयुष शेट्टी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी जा रही है।

दूसरी बार पुरुष सिंगल्स के फाइनल में कोई भारतीय

आयुष शेट्टी 2018 में एच. एस. प्रणय के बाद इस टूर्नामेंट में पदक पक्का करने वाले पहले भारतीय एकल पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। पुरुष सिंगल्स में आयुष से पहले दिनेश खन्ना ने 1965 में फाइनल में जगह बनाई थी। तब वह विजेता भी रहे थे। वह इस टूर्नामेंट में गोल्ड जीतने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी हैं। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 2023 में पुरुष डबल्स में गोल्ड जीता था। इस चैंपियनशिप में भारत के नाम अभी तक दो गोल्ड और 16 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

आयुष का फाइनल तक पहुंचने का सफर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड नंबर-4 जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया, जो उनके खिलाफ पहली जीत थी। इससे पहले उन्होंने वर्ल्ड नंबर-7 लि शिफिंग को सीधे गेम में हराया और फिर चाउ तिएन-चेन पर भी जीत दर्ज की।

भारत के बड़े स्टार खिलाड़ी फेल रहे

दूसरी ओर, भारत के लिए अन्य स्पर्धाओं में मिश्रित नतीजे रहे। पीवी सिंधु दूसरे दौर में बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में हार गए। आयुष शेट्टी के फाइनल जीतकर इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। अगर वजह जीत हासिल करने में सफल रहते हैं तो यह उनके करियर की अबतक की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

खलिन जोशी ने अपना 7 वां प्रोफेशनल टाइटल जीता

विशाखापत्तनम,11 अप्रैल 2026। खलिन जोशी ने विशाखा पत्तनम के ईस्ट पॉइंट गोल्फ क्लब में खेले गए 1 करोड़ के आंध्र ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 में टू-अंडर 69 का कार्ड खेलकर अपना सातवां प्रोफेशनल टाइटल जीता। बेंगलुरु के 33 साल के जोशी ने नौ-अंडर 275 के साथ आरामदायक फोरस्ट्रोक मार्जिन से जीत हासिल की। उन्होंने 15 लाख कमाए और 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 18,13,875 की सीज़न कमाई के साथ 55वें से 12वें स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो टूर पर दो बार के विजेता रहे हैं, ने फाइनल राउंड में सिक्स-अंडर 65 का कोर्स रिकॉर्ड बनाया और रात भर के 13वें स्थान से ऊपर उठकर पांच-अंडर 279 के साथ रनर-अप रहे, जो विजेता से चार शॉट पीछे हैं।

खास बात यह है कि टूर्नामेंट के लिए

पार-फाइव सातवें होल को 477-यार्ड पार-फोर में एडजस्ट किया गया, जिससे कोर्स पार 71 हो गया। जोशी ने फाइनल राउंड की शुरुआत सात-अंडर पर तीन-शॉट के अंतर से की और दो-अंडर 69 के साथ खत्म किया, जिसमें पांच बर्डी और तीन बोगी शामिल थे, जिससे उन्होंने टाइटल पक्का किया, जो 44 महीनों में उनका पहला था। उनकी आखिरी जीत अगस्त 2022 में कोयंबटूर में हुई थी। उनके फाइनल राउंड में सधा हुआ खेल और समय पर रिकवरी का मिक्स था। तीसरे होल पर शुरुआती बोगी एक झटका थी, लेकिन उन्होंने 80 यार्ड से 10 फीट तक एक क्वालिटी अप्रोच के बाद चौथे होल पर बर्डी के साथ तुरंत जवाब दिया। उन्होंने आठवें होल पर ग्रीन के ठीक ऊपर से एक और बर्डी लगाई और 12वें होल पर कंट्रोल बनाए रखने के लिए एक ज़रूरी अप-एंड-डाउन किया। बैक नाइन पर कुछ बोगी के बावजूद, जोशी ने 15वें होल पर बर्डी के साथ मोमेंटम वापस पा लिया जिससे उनका राउंड स्थिर हो गया। दूसरे राउंड से ही आगे रहने के बाद, उन्होंने आखिर तक प्रेशर को अच्छी तरह संभाला और जीत हासिल की। जोशी ने कहा, ÷मैं वहां थोड़ा नर्वस था, खासकर बैक नाइन में, लेकिन मैंने सब्र रखा और अपने प्रोसेस पर भरोसा किया।

डैनियल क्रिकेट अकादमी हैदराबाद में गर्मियों में कोचिंग कैंप लगाएगी

हैदराबाद ,11 अप्रैल 2026। डायरेक्टर के. डैनियल के अनुसार, डैनियल क्रिकेट अकादमी 15 अप्रैल से 1 जून तक विद्यानगर और जुबली हिल्स में गर्मियों के कोचिंग कैंप लगाएगी। आईपीएल 2026 में शुक्रवार को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच एक जोरदार मुकाबला खेला गया। वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक अर्धशतकीय पारी के दम पर आरआर ने आरसीबी को 12 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। आरआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। कप्तान रजत पाटीदार के 63, विराट कोहली के 32, वेंकटेश अय्यर के 29 और रोमारियो शेफर्ड के 22 रन की मदद से आरसीबी ने 8 विकेट पर 201 रन बनाए थे।

महानदी जल बंटवारा विवाद...ट्रिब्यूनल का कार्यकाल 9 महीने बढ़ा

छत्तीसगढ़-ओडिशा के बीच 44 साल पुराना मामला,2027 में फैसले की उम्मीद

रायपुर,11 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच पिछले 44 साल से महानदी जल के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। अब केंद्र सरकार ने महानदी जल विवाद ट्रिब्यून का कार्यकाल 9 महीने बढ़ाते हुए 13 जनवरी 2027 तक कर दिया है।

अब सभी की नजरें 2027 की शुरुआत पर टिकी हैं, जब इस पर बहुप्रतीक्षित फैसला सामने आ सकता है। दरअसल, इस विवाद की शुरुआत 1983 में हुई थी, जब छत्तीसगढ़ अलग राज्य नहीं था। यह मामला मध्य प्रदेश और ओडिशा के बीच था। समय के साथ कई नीतियां और समझौते बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो सका। विवाद 2016 में और बढ़ गया,जब ओडिशा सरकार ने केंद्र से हस्तक्षेप की मांग करते हुए

अंतरराज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम 1956 के तहत शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 12 मार्च 2018 को केंद्र ने ट्रिब्यूनल का गठन किया।

बातचीत विफल,तब बना न्यायाधिकरण

केंद्र सरकार ने पहले बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए एक नेगोशिएशन कमेटी बनाई थी, जिसने मई 2017 में रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में बताया गया कि, ओडिशा की भागीदारी नहीं होने के कारण सहमति नहीं बन सकी और विवाद बातचीत से सुलझना संभव नहीं है। इसके बाद ट्रिब्यूनल गठन का रास्ता साफ हुआ।

कामकाज में आई रुकावटें

ट्रिब्यूनल की प्रक्रिया कई बार बाधित हुई। कोरम की कमी, प्रशासनिक कारणों और पूर्व अध्यक्ष ए. एम. खानविलकर के इस्तीफे से काम प्रभावित हुआ। इसके अलावा कोविड-19 महामारी के चलते भी सुनवाई और जांच प्रक्रिया में देरी हुई, जिसके कारण समय-सीमा बार-बार बढ़ानी पड़ी।

ट्रिब्यूनल ने किया ग्राउंड सर्वे : इस विवाद की जांच के लिए ट्रिब्यूनल की टीम ने दो चरणों में रायपुर, बिलासपुर और कोरबा जिलों का दौरा किया था। इस दौरान महानदी और हसदेव नदी पर बनी जल परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ और ओडिशा के अधिकारियों से विस्तृत डेटा और तकनीकी जानकारी भी ली गई ।

अर्थव्यवस्था और जीवन से जुड़ा मामला : महानदी दोनों राज्यों के लिए जीवनरेखा है। छत्तीसगढ़ में इसे 'लाइफलाइन' कहा जाता है। वहीं ओडिशा में सिंचाई, बिजली उत्पादन और उद्योग इसके पानी पर निर्भर हैं। ऐसे में ट्रिब्यूनल का फैसला सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक रूप से भी बेहद महत्वपूर्ण होगा।

2027 में फैसले की उम्मीद

ट्रिब्यूनल को मिला 9 महीने का अतिरिक्त समय इस विवाद को अंतिम रूप देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। अब सभी की नजरें 2027 की शुरुआत पर टिकी हैं, जब महानदी जल बंटवारे पर बहुप्रतीक्षित फैसला सामने आ सकता है।

छत्तीसगढ़ बोर्ड की आंसरशीट में हनुमान-चालीसा,पास करने की गुहार

छात्रा ने लिखा...गरीब बेटी की शादी तय है,33 नंबर देकर आशीर्वाद दें

रायपुर,11 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियां चेक की गईं। बस अब परिणाम का इंतजार है। आंसरशीट की जांच के दौरान पता चला है कि कुछ स्टूडेंट्स ने आंसर की जगह अजीबो-गरीब अपीलें और इमोशनल मैसेज भी लिखा है। एक छात्र ने पूरा हनुमान चालीसा लिखकर कहा कि,अगर आप हनुमानजी के भक्त हैं, तो पास कर दीजिए। वहीं, छात्रा ने लिखा कि, गरीब बेटी की शादी तय है, 33 अंक देकर कन्या को आशीर्वाद देने की कृपा करें। कुछ छात्रों ने भावनात्मक अपील को और आगे बढ़ाते हुए धार्मिक सहारा भी लिया। कॉपियों में सवालों के जवाब की जगह इस तरह के मैसेज लिखे मिलने से शिक्षक भी हैरान रह गए। जानकारी के अनुसार, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की कुल 2,66,173 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा हो चुका है। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार ऐसी अपीलों की संख्या कम रही, लेकिन जो भी सामने आई, उन्होंने सभी का ध्यान खींचा। नाम न बताने की शर्त पर माशिमं के अफसर ने ये जानकारी शेयर की है। एक छात्रा ने लिखा है कि, गरीब बेटी की शादी तय हो गई है, 33 अंक देकर

कन्या को आशीर्वाद देने की कृपा करें। एक और छात्रा ने अपनी कॉपी में लिखा है कि,सर मेरी शादी होने वाली है,अगर मैं फेल हो गई तो शादी नहीं होगी,कृपया पास कर दीजिए। एक छात्र ने पूरा हनुमान चालीसा लिख दिया और कहा कि,अगर आप हनुमानजी के भक्त हैं,तो पास कर दीजिए। जबकि,दूसरे छात्र ने परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पास करने की अपील की। किसी ने लिखा कि,वह नीट की तैयारी में व्यस्त था,इसलिए बोर्ड परीक्षा की तैयारी नहीं कर सका,इसलिए पास कर दिया जाए।

प्रथम चरण में होगी मकान सूचीकरण व मकानों की गणना

1 मई 2026 से शुरू होगी गणना,अधिकारियों द्वारा की जाएगी निगरानी

रायपुर,11 अप्रैल 2026। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में 1 मई से 30 मई तक 30 दिनों की अवधि मे संचालित किया जाएगा। यह चरण जनगणना प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है,जिसके माध्यम से प्रत्येक आवासीय एवं गैर-आवासीय भवन, मकान की स्थिति, उपयोग व उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्रित की जाएगी। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत इस बार आम जनता की सुविधा के लिएस्व-गणना का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इच्छुक नागरिक 16 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 के मध्य निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी दर्ज कर सकते हैं।

बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की जाएगी

प्रत्येक भवन एवं मकान की संख्या, स्थिति एवं प्रकार, मकान का उपयोग, (आवासीय/व्यावसायिक/अन्य), निर्माण की प्रकृति (कच्चा/पक्का/अर्ध-पक्का), परिवारों की संख्या एवं उनके आवासीय विवरण, उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं, जैसे- पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की सुविधा, विद्युत कनेक्शन, रसोई गैस/ईंधन का प्रकार, इंटरनेट/संचार सुविधाएं यह जानकारी देश की सामाजिक-आर्थिक योजनाओं, शहरी एवं ग्रामीण विकास, आवास योजनाओं, जल एवं स्वच्छता कार्यक्रमों तथा बुनियादी ढांचे के विकास हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

निगरानी

जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाएगा। शिकायत निवारण हेतु हेल्पलाइन/ऑनलाइन प्रणाली उपलब्ध होगी। जनगणना कार्य निदेशालय छत्तीसगढ के निदेशक ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। आपकी सटीक एवं पूर्ण जानकारी देश की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की आर्थिक, सामाजिक एवं बुनियादी विकास योजनाओं की आधारशिला होते हैं। यह प्रक्रिया सरकार को सटीक नीति निर्माण, संसाधन आवंटन एवं भविष्य की योजनाओं के निर्धारण में सहायता प्रदान करती है

रायपुर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने निरीक्षकों की तैनाती..

वैभव तेलीबांधा,राजेश संभालेंगे शारदा चौक जोन,आठ जोन में अफसरों का तबादला

रायपुर,11 अप्रैल 2026। राजधानी में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस विभाग ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। यातायात एवं प्रोटोकॉल शाखा द्वारा जारी आदेश के तहत 8 निरीक्षकों को अलग-अलग ट्रैफिक जोन में तैनात किया गया है। यह तैनाती तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है और अगले आदेश तक जारी रहेगी। नई व्यवस्था के तहत रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा को भनपुरी से हटाकर तेलीबांधा जैसे व्यस्त जोन की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं निरीक्षक राजेश सिंह को शारदा चौक क्षेत्र की कमान सौंपी गई है, जहां ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक रहता है। निरीक्षक पारस पटेल को भाठागांव, राकेश ठाकुर को भनपुरी और भावेश गौतम को पंडरी थाना क्षेत्र में पदस्थ किया गया है।

अम्बरीश शर्मा संभालेंगे फाफाडीह : इसी क्रम में निरीक्षक अम्बरीश शर्मा को फाफाडीह और मनोज कुमार साहू को कालीबाड़ी जोन की जिम्मेदारी दी गई है। खास बात यह है कि निरीक्षक अमित कुमार कौशिक को यातायात मुख्यालय में प्रभारी बनाते हुए आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम), शिकायत सेल और वीआईपी ड्यूटी जैसे अहम विभागों का दायित्व सौंपा गया है।

जहां ज्यादा होता विवाद, वहां अनुभवी निरीक्षकों को पोस्टिंग

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह फेरबदल शहर के संवेदनशील और व्यस्त ट्रैफिक प्वाइंट्स को ध्यान में रखकर किया गया है। जिन क्षेत्रों में जाम और अव्यवस्था की समस्या ज्यादा रहती है। जहां पर जांच के दौरान विवाद की स्थिति रहती है। वहां पर अनुभवी अधिकारियों की तैनाती से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। विभाग का मानना है कि इस बदलाव से न केवल ट्रैफिक मैनेजमेंट बेहतर होगा, बल्कि आम नागरिकों को भी राहत मिलेगी। साथ ही आईटीएमएस और डिजिटल निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने से नियमों का पालन और सख्ती से कराया जा सकेगा।

सुपेला में गांजा तस्कर गिरफ्तार...

2.25 किलो गांजा और मोबाइल जब्त

दुर्ग,11 अप्रैल 2026। सुपेला थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई लक्ष्मी मार्केट स्थित कचरा मैदान के पास बिजली ट्रांसफार्मर के समीप की गई, जहां युवक द्वारा खुलेआम गांजा बेचने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 2 किलो 250 ग्राम गांजा और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी की पहचान अंबेडकर नगर निवासी सौरभ साखरे उर्फ सोनू (20 वर्ष) के रूप में की है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 10 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अवैध रूप से कमाई करने के लिए गांजा बेचने का काम कर रहा था। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर

लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जा रही है, ताकि नशे के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि सुपेला और आसपास के इलाकों में पिछले कुछ समय से नशे के कारोबार की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद विशेष टीम बनाकर कार्रवाई तेज की गई है।

उत्कृष्ट खिलाड़ी सूची मामला...

खेल मंत्री अरुण साव बोले...चयन प्रक्रिया अंतिम चरण में,जल्द होगा निर्णय

रायपुर,11 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले सैकड़ों खिलाड़ी पिछले 7-8 वर्षों से रोजगार के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कई पदक विजेता खिलाड़ी आजीविका के लिए चाय ठेला, ई-रिक्शा चलाने और सब्जी बेचने तक को मजबूर हैं। इस मुद्दे को लल्लूराम डॉट कॉम द्वारा प्रमुखता से उठाए जाने के बाद अब सरकार ने संज्ञान लिया है और प्रक्रिया में तेजी आने के संकेत मिले हैं। बता दें कि इस पूरे मामले में डिप्टी सीएम और खेल मंत्री अरुण साव ने स्पष्ट किया है कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इसके पूरा होते ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पात्र खिलाड़ियों को जल्द ही सम्मानित किया जाएगा। दरअसल, प्रदेशभर के पदक विजेता और अवॉर्ड प्राप्त खिलाड़ियों ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री व खेल मंत्री अरुण साव से उनके नया रायपुर स्थित निवास पर मुलाकात की। इस दौरान खिलाड़ियों ने लंबे समय से लंबित उत्कृष्ट खिलाड़ी सूची जारी करने और राज्य खेल अलंकरण समारोह आयोजित करने की मांग रखी। खिलाड़ियों की बात सुनने के बाद खेल मंत्री ने आश्वासन दिया कि चयन प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा और सम्मान किया जाएगा। इसके बाद खिलाड़ियों का प्रतिनिधिमंडल खेल एवं युवा कल्याण विभाग, रायपुर भी पहुंचा,जहां खेल सचिव यशवंत कुमार, उपसंचालक रश्मि ठाकुर, रवि अग्रवाल सहित सभी जिलों के जिला खेल अधिकारी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खिलाड़ी समिति की बैठक और पूरी प्रक्रिया की समयसीमा को लेकर सवाल उठाए।

मेकाहारा में 10.3 किलो ट्यूमर का ऑपरेशन...15 साल से पीठ पर ढो रहा था बोझ

रायपुर,11 अप्रैल 2026। रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय में डॉक्टरों की टीम ने एक मरीज के शरीर से 10.30 किलो वजनी विशाल ट्यूमर निकाल दिया। यह ट्यूमर मरीज की पीठ पर पिछले करीब 15 साल से बढ़ रहा था, जिससे उसे चलने-फिरने और रोजमर्रा के कामों में गंभीर दिक्कत हो रही थी।

चलना-फिरना मुश्किल, 15 साल से बढ़ रही थी गांठ

डॉक्टरों के मुताबिक ट्यूमर धीरे-धीरे इतना बड़ा हो गया था कि मरीज के लिए बैठना, उठना और सोना तक मुश्किल हो गया था। लंबे समय से वह शारीरिक दर्द के साथ-साथ मानसिक और सामाजिक परेशानियों से भी जूझ रहा था।

जटिल सर्जरी, टीम ने निकाला ट्यूमर : अस्पताल के सर्जरी विभाग ने जांच के बाद ऑपरेशन का फैसला लिया। टीम का नेतृत्व सर्जन डॉ. संतोष सोनकर और विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह ने किया। उनके साथ सर्जन डॉ. राजेंद्र रात्रे, डॉ. मयंक भूषण मिश्रा और डॉ. प्रेक्षा जैन शामिल रहे। डॉक्टरों का कहना है कि इतने बड़े ट्यूमर को निकालना चुनौतीपूर्ण था,क्योंकि ऑपरेशन के दौरान रक्तस्राव,संक्रमण और शरीर के अन्य हिस्सों को नुकसान का खतरा रहता है। इसके बावजूद टीम ने सफलतापूर्वक सर्जरी पूरी की।

एनेस्थीसिया टीम की अहम भूमिका

ऑपरेशन के दौरान मरीज की स्थिति को स्थिर बनाए रखना भी बड़ी चुनौती थी। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. जया लालवानी और डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने यह जिम्मेदारी संभाली।

ऑपरेशन के बाद हालत स्थिर,मरीज डिस्चार्ज

सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक रही और रिकवरी के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक अब मरीज सामान्य जीवन जी सकेगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर,11 अप्रैल 2026। महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद् महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महात्मा फुले के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित और उपेक्षित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि महात्मा फुले ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना और समाज में समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले द्वारा स्थापित 'सत्यशोधक समाज' ने उस समय समाज में व्याप्त असमानता और भेदभाव के

खिलाफ आवाज उठाई थी। उनके विचारों ने समाज में न्याय, समानता और आत्मसम्मान की भावना को मजबूत किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार महात्मा फुले के आदर्शों और विचारधारा पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषकर महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को शिक्षा, कौशल विकास और समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

अब देश के लिए मरने की नहीं,बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरत : सांसद बृजमोहन

रायपुर,11 अप्रैल 2026। वंदे मातरम् 150 साल बाद भी भारत को एकसूत्र में बांधने का मंत्र है। जब भी हमे भारत के प्रति प्यार और एकजुटता दिखानी होती है । हम वंदे मातरम् का जयघोष करते हैं। वंदे मातरम् को सभी स्कूल- कॉलेजों में अनिवार्य करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक रूप से इस गाने को सम्मान दिया है। यह बात सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने शनिवार को वृंदावन हाल में वंदे मातरम् के 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कही। कार्यक्रम में 150वीं वर्षगांठ पर 15 जनवरी को रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 5 लाख विद्यार्थियों द्वारा किए गए सामूहिक वंदे मातरम् गान पर मुख्य कार्यक्रम स्थल सुभाष स्टेडियम में आयोजित में सांस्कृतिक देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों, कलाकारों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा

कि, हम सब बचपन से स्कूलों में 'जन गण मन' गाते आए हैं, परंतु 'वंदे मातरम्' देश के क्रांतिवीरों का गीत रहा है। यह गीत आज़ादी के दीवानों का गीत था, लोगों को मर-मिटने के लिए प्रेरित करने वाला गीत था, अंग्रेजों को परेशान करने वाला गीत था और क्रांतिकारियों में जोश भरने वाला गीत था। यह देश की आज़ादी के लिए जन-जन के मन में उत्साह और देशभक्ति की भावना जागृत करने वाला गीत रहा है।आज समय बदल चुका है। उस समय 'देश के लिए मरना सीखो' की भावना थी, लेकिन आज आवश्यकता है 'देश के लिए जीना सीखो' की। अब देश के लिए मरने की नहीं, बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरत है। बृजमोहन ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में इस महान गीत को उचित सम्मान मिल रहा है। यह वही गीत है जिसने हमें आज़ादी दिलाई, जिसने देशभक्ति की भावना पैदा की और लाखों लोगों को फांसी के फंदे पर झूलने के लिए भी प्रेरित किया। ऐसे गौरवशाली गीत का सम्मान होना चाहिए और देश के जन-जन में इसकी भावना जागृत होनी चाहिए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)